RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 210 | श्रीकंचनपथONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, बुधवार 18 मई 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

पंचायत चुनावों पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, ओबीसी आरक्षण के साथ होंगे चुनाव

भोपाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पंचायत चुनाव और नगरीय निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण देने को मंजूरी दे दी है। साथ ही सात दिन में सरकार को आरक्षण करने के निर्देश दिए हैं। यह भी कहा कि प्रदेश में कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को ट्रिपल टेस्ट की आधी-अधूरी रिपोर्ट के आधार पर बिना ओबीसी आरक्षण के चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। इसके बाद सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर संशोधन याचिका दाखिल की थी।

मध्य प्रदेश के नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय में अभी सुनवाई हुई है। सर्वोच्च न्यायालय ने जो आदेश दिया है, उसमें बहुत बड़ी सफलता सरकार को मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने 2022 के परिसीमन के आधार पर चुनाव कराने की मांग मान ली है। ओबीसी आरक्षण की मांग को भी मान लिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि एक सप्ताह के भीतर ओबीसी आरक्षण किए जाएं। हमारी सरकार की यह बहुत बड़ी जीत है। महाराष्ट्र में भी ओबीसी आरक्षण के साथ पंचायत चुनाव नहीं हो सके और हमें यह सफलता मिली है। भूपेंद्र सिंह ने इसका श्रेय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को दिया। दरअसल, 10 मई के आदेश के बाद मुख्यमंत्री ने विदेश यात्रा रद्द करते हुए संशोधन याचिका दाखिल करने के लिए प्रयास तेज कर दिए थे। इस संबंध में उन्होंने खुद दिल्ली जाकर वरिष्ठ वकीलों से विचार-विमर्श किया था। इससे पहले मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से संशोधन याचिका पर कुछ जानकारी मांगी थी, जिसके आधार पर सरकार ने मध्य प्रदेश में ओबीसी की आबादी की निकायवार जानकारी कोर्ट के सामने रखी।

हालांकि, बिना परिसीमन पंचायत चुनाव कराने के राज्य सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने वाले कांग्रेस नेता सैयद जाफर ने कहा कि अब ऐसा नहीं होगा। जनपद पंचायत अनुसार आरक्षण तय किया जाएगा। इसके अनुसार यदि किसी जनपद पंचायत में अनुसूचित जनजाति वर्ग के जनंसख्या 30 प्रतिशत और जनुसूचित जाति वर्ग की जनसंख्या 25 प्रतिशत है तो ओबीसी को कोई आरक्षण नहीं मिलेगा। वहीं, यदि किसी जनपद पंचायत में अनुसूचित जनजाति वर्ग के जनंसख्या 30 प्रतिशत और अनुसूचित जाति वर्ग की जनसंख्या 15 प्रतिशत है तो ओबीसी को 5 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। वहीं, यदि जनपद पंचायत में अनुसूचित जनजाति वर्ग और अनुसूचित जाति वर्ग की जनसंख्या 5-5 प्रतिशत है। यानी ओबीसी की जनंसख्या 40 प्रतिशत है, तो ऐसी स्थिति में ओबीसी वर्ग को 35 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं मिलेगा।

कोर्ट के आदेश के बाद हो रही थी सियासत

सुप्रीम कोर्ट के बिना आरक्षण के चुनाव कराने आदेश के बाद बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने ओबीसी आरक्षण खत्म करने का आरोप एक-दूसरे पर लगाना शुरू कर दिया। दोनों ही राजनीतिक दलों ने बिना आरक्षण के चुनाव होने पर ओबीसी वर्ग को साधने के लिए 27 प्रतिशत टिकट ओबीसी नेताओं को देने का ऐलान किया था। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव कराने की तैयारी तेज कर दी थी। आयोग ने दोनों ही चुनाव जून माह में करा लेने का ऐलान किया है। 24 मई तक चुनाव की अधिसूचना जारी करने की बात कही है। हालांकि अब जानकारों का कहना है कि जनपद पंचायत अनुसार आरक्षण की तैयारी करने को लेकर चुनाव में थोड़ा समय लग सकता है।

ऐसे मिलेगा आरक्षण

सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी सूरत में आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। राज्यवार देखें तो प्रदेश में अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग को 16 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति (एसटी) को 20 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है। इस तरह 36 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण नहीं होगा। लिहाजा, (50-36=14) 14 फीसदी से ज्यादा नहीं मिलेगा ओबीसी को आरक्षण।

खास खबर

सुको का फैसला: राजीव गांधी हत्याकांड के दोषी पेरारिवलन की रिहाई का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड के मामले में बुधवार को बड़ा फैसला किया। शीर्ष कोर्ट ने इस मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दोषियों में से एक एजी पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया है। वह पिछले 31 सालों से जेल में बंद है। पेरारिवलन ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा था कि तमिलनाडु सरकार ने उसे रिहा करने का फैसला लिया था, लेकिन राज्यपाल ने फाइल को काफी समय तक अपने पास रखने के बाद राष्ट्रपति को भेज दिया था। यह संविधान के खिलाफहै। 11 मई को हुई सुनवाई में केंद्र ने पेरारिवलन की दया याचिका राष्ट्रपति को भेजने के तमिलनाडु के राज्यपाल के फैसले का बचाव किया था। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एल नागेश्वर राव, जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस ए एस बोपन्ना की पीठ को बताया था कि केंद्रीय कानून के तहत दोषी ठहराए गए शख्स की सजा में छूट, माफी और दया याचिका के संबंध में याचिका पर केवल राष्ट्रपति ही फैसला कर सकते हैं। इस पर, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया था कि अगर इस दलील को स्वीकार कर लिया जाता है तो राज्यपालों की ओर से दी गई अब तक की छूट अमान्य हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर राज्यपाल पेरारिवलन के मुद्दे पर राज्य मंत्रिमंडल की सिफारिश को मानने को तैयार नहीं हैं तो उन्हें फाइल को पुनर्विचार के लिए वापस मंत्रिमंडल में भेज देना चाहिए था। पेरारिवलन हत्याकांड के समय 19 साल का था। वह 31 सालों से जेल में बंद है।

चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

हार्दिक ने पार्टी से दिया इस्तीफा कहा-विरोध की राजनीति तक सीमित रह गई कांग्रेस

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पाटीदार नेता हार्दिक पटेल ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। हार्टिक पटेल ने इस्तीफे की जानकारी अपने ट्विटर हैंडल पर दी। उन्होंने लिखा, आज मैं हिम्मत करके कांग्रेस पार्टी के पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूँ। मुझे विश्वास है कि मेरे इस निर्णय का स्वागत मेरा हर साथी और गुजरात की जनता करेगी। मैं मानता हूं कि मेरे इस कदम के बाद मैं भविष्य में गुजरात के लिए सच में सकारात्मक रूप से कार्य कर पाऊँगा।

विरोध की राजनीति तक सीमित रह गई कांग्रेस

हार्दिक पटेल ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर अपना इस्तीफा सौंपा। उन्होंने पत्र में लिखा कि अनेक प्रयासों के बाद भी कांग्रेस पार्टी द्वारा देशहित एवं समाज हित के बिल्कुल विपरीत कार्य करने के कारण मैं पार्टी से इस्तीफा दे रहा हूं। उन्होंने आगे लिखा, देश के युवा एक सक्षम और मजबूत नेतृत्व चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी सिर्फ विरोध की राजनीति तक सीमित रह गई है। जबकि, देश के लोगों को विरोध नहीं, ऐसा विकल्प चाहिए जो भविष्य के बारे में सोचता हो।

हार्दिक ने पढ़े मोदी सरकार की प्रशंसा में कसीदे

अपने इस्तीफे में पाटीदार नेता ने लिखा कि अयोध्या में राम मंदिर हो, सीएए-एनआरसी का मुद्दा हो, कश्मीर में अनुच्छेद 370 हो या जीएसटी लागू करने का निर्णय...देश लंबे समय से इन समस्याओं का समाधान चाहता था और कांग्रेस पार्टी सिर्फइसमें एक बाधा बनने का काम करती रही। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में गंभीरता की कमी है। मैं जब भी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मिला तो लगा उनका ध्यान गुजरात के लोगों से ज्यादा अपने मोबाइल और बाकी चीजों पर रहा। जब देश में संकट था तो हमारे नेता विदेश में थे। उन्होंने कहा, हमारे कार्यकर्ता अपने खर्च पर 500 से 600 किमी की यात्रा कर जनता के बीच जाते हैं और देखते गुजरात के बड़े नेताओं का ध्यान सिर्फइस पर रहता है कि दिल्ली से आए नेता को चिकन सैंडविच समय पर मिला या नहीं।

दंतेवाड़ा में नक्सली दंपति ने सुरक्षा बलों के सामने किया आत्मसमर्पण, कई हमलों में थे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले में कई घातक हमलों में शामिल और सात लाख रुपये के इनामी एक नक्सली दंपती ने मंगलवार को सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि खोखली माओवादी विचारधारा से निराश और वरिष्ठों द्वारा निचले स्तर के कार्यकर्ताओं के शोषण का हवाला देते हुए हुर्रा कुंजाम और उनकी पत्नी बुधरी माडवी ने आत्मसमर्पण किया। इसके लिए वह वरिष्ठ पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों के सामने पेश हुए। कुंजाम माओवादियों की मलंगीर क्षेत्र समिति के तहत प्लाटून नंबर 24 के सेक्शन कमांडर थे और उनकी पत्नी उसी दस्ते की सदस्य थीं, उन्होंने कहा कि उनके ऊपर क्रमश: 5 लाख रुपये और 2 लाख रुपये का इनाम था। अधिकारी ने बताया कि दंपती 2017 में घात लगाकर किए गए बुर्कापाल (सुकमा जिला) माओवादी हमले में शामिल था, जिसमें 25 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। इसके अलावा 2016 में मेलवाड़ा (दंतेवाड़ा) बारूदी सुरंग हमले में भी शामिल रहा था, जिसमें सीआरपीएफ के सात जवान शहीद हो गए थे।

539 नक्सली छोड़ चुके हैं हिंसा का रास्ता

उन्होंने कहा कि इसी के साथ जिला पुलिस द्वारा शुरू किए गए 'लोन वरातू' समर्पण एवं पुनर्वास अभियान के तहत अब तक 130 सहित कम से कम 539 नक्सली जिले में हिंसा का रास्ता छोड़ चुके हैं। 'लोन वरातू' (स्थानीय गोंडी बोली में गढ़ा गया शब्द) इस पहल के तहत, दंतेवाड़ा पुलिस ने कम से कम 1,600 नक्सलियों के पैतृक गांवों में पोस्टर और बैनर लगाए हैं, जिनमें से ज्यादातर के सिर पर नकद इनाम है, और उनसे वापस मुख्य धारा में लौटने की अपील की गई है।

मीना खलखो हत्याकांड में 11 साल बाद कोर्ट का फैसला 3 पुलिसकर्मी बरी, नक्सली बताकर युवती को मारा था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित मीना खलको हत्याकांड मामले में रायपुर की अदालत ने सभी आरोपी पुलिसकर्मियों को बरी कर दिया है। 11 साल बाद इसमें फैसला आया है। आदेश की कॉपी एक महीने बाद जारी की गई है। अदालत में अभियोजन की लापरवाही की वजह से साक्ष्य पेश नहीं हो सके, जिससे तीनों आरोपियों को कोर्ट ने दोषमुक्त किया है। पुलिसकर्मी धर्मदत्त धनिया, जीवनलाल रत्नाकर और निकोदिम खेस इस हत्याकांड में आरोपी बनाए गए थे। न्यायिक जांच आयोग ने पुलिसकर्मियों को अपनी जांच में दोषी माना, लेकिन किसी तरह के सबूत नहीं होने के कारण पुलिसकर्मियों को बरी कर दिया गया है। दोषमुक्त करार दिए गये धर्मदत्त धानिया इन दिनों दिल्ली में हैं। जीवनलाल रत्नाकर रामानुजगंज में प्रधान आरक्षक हैं। एक अन्य आरोपी निकोदिम खेस की मौत हो चुकी है।

कब और कैसे हुई थी मीना खलखो की हत्या

बलरामपुर के लोंगरटोला में 6 जुलाई 2011 को 16 साल की आदिवासी किशोरी मीना खलखो की गोली लगने से मौत हुई थी। पुलिस वालों ने दावा किया किया था कि झारखंड से आए नक्सलियों के साथ दो घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान मीना को गोली लगी थी। सरगुजा के चांदो थाना क्षेत्र के करचा गांव के पास पुलिस ने मीना खलखो को नक्सली बताकर मार गिराने का दावा किया गया था। डॉ. रमन सिंह की सरकार के दौरान प्रदेशभर में इसे लेकर काफी हंगामा हुआ था। इसके बाद सीआईडी ने जांच की। जांच में माना था कि मीना खलखो की हत्या आरक्षक धर्मदत्त धनिया और आरक्षक जीवनलाल रत्नाकर ने की थी। सीआईडी ने यह भी माना था कि हत्यारों को बचाने के लिए थाना प्रभारी ने झूठे साक्ष्य गढ़े थे, जिसका खुलासा होने के बाद कार्रवाई की गई थी। विशेषज्ञ जांच में भी मीना की मौत एसएलआर की गोलियों से होना पाया गया था।

3 पुलिस कर्मियों पर दर्ज हुआ था हत्या का केस

घटना के बाद मीना खलको के परिजनों और अन्य ग्रामीणों ने पुलिस पर आरोप लगाया था कि पुलिस ने फर्जी मुठभेड़ में मीना को मार गिराया है। मीना खलको के नक्सली या उससे संबंध होने से ग्रामीणों ने इनकार किया था। भारी आक्रोश को देखते हुए शासन की ओर से न्यायिक जांच के आदेश दिए गए। पूरे केस की बारीकी से पड़ताल का जिम्मा सीआईडी को सौंपा गया था। जांच आयोग ने यह भी कहा था कि मीना की मौत पुलिस की गोली से हुई है। इसके बाद सीआईडी ने मीना की हत्या का मामला दर्ज किया और मामले की जांच शुरू की थी। सीआईडी ने मीना खलको हत्याकांड में 25 पुलिस कर्मियों के इस घटना में शामिल होने की बात कही थी, लेकिन 3 पुलिसकर्मियों के खिलाफही हत्या का मामला दर्ज किया गया था।

किसानों की बल्ले-बल्ले ,सीएम बघेल 21 मई को जारी करेंगे न्याय योजना की पहली किस्त

खातों में पहुंचेंगे 1700 करोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए खुशखबरी है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत 21 मई को खरीफ सीजन वर्ष 2021-22 की पहली किस्त के रूप में 1700 करोड़ रुपये की आदान राशि का भुगतान किया जाएगा। सीएम भूपेश बघेल प्रदेश के किसानों के बैंक एकाउंट में यह राशि ऑनलाइन ट्रांसफर करेंगे। इस दिन राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के सभी जिलों में भव्य कार्यक्रम होंगे। सीएम किसानों को ?वर्चुअल माध्यम से संबोधित भी करेंगे। खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में पंजीकृत 21.77 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर 98 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है।

बता दें कि छत्तीसगढ़ सरकार राजीव गांधी न्याय योजना के तहत बीते दो वर्षों में किसानों के बैंक खातों में 12 हजार 209 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। अब इस योजना में धान के अलावा अन्य खरीफ फसलों को भी जोड़ा गया है। कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने बताया कि किसान न्याय योजना के तहत किसानों को इस साल 5703 करोड़ रुपये की आदान राशि का भुगतान 4 किस्तों में किया जाना है। पहली किस्त के रूप में लगभग 1700 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान 21 मई को किया जाएगा। विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में मंत्री व विधायक होंगे अतिथि

राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों के खाते में राशि अंतरण के लिए 21 मई को सभी जिला मुख्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। राज्य शासन द्वारा जिला मुख्यालयों में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि तय किए गए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री, विधायक, निगम-मंडल और आयोग के अध्यक्ष जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। जिले के सभी विधायक तथा जनप्रतिनिधि इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। सरकार ने अतिथियों की सूची भी जारी कर दी है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में खरीफविपणन वर्ष 2021-22 की प्रथम किस्त के रूप में करीब 1700 करोड़ रुपये किसानों के खाते ट्रांसफर किए जाएंगे। किसानों को खेती-किसानी के लिए बड़ी रकम मिल जाएगी।

नक्सलियों के नापाक मंसूबे नाकाम

जवानों को नुकसान पहुंचाने प्लांट किया था 5 किलो का कुकर बम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में फोर्स के जवानों ने लाल आतंक के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। एंटी नक्सल ऑपरेशन के तहत गश्त पर निकलने वाले जवानों को नुकसान पहुंचाने माओवादियों ने 5 किलो का कुकर बम प्लांट कर दिया था। सर्चिंग पर निकले जवानों ने बम को देखा, जिसे बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) की टीम ने डिफ्यूज कर दिया। बम इतना शक्तिशाली था कि जवान चपेट में आते तो बड़ा नुकसान हो जाता।

मामला नारायणपुर जिले के ओरछा थाना क्षेत्र का है। ओरछा में हर मंगलवार को साप्ताहिक बाजार लगाया जाता है। बाजार में भीड़ के साथ ही सुरक्षा के लिए फोर्स के जवान भी मौजूद रहते हैं। माओवादियों ने यहां ब्लास्ट का प्लान बनाया था, जिससे जवानों को नुकसान पहुंचाया जा सके। माओवादियों ने पेड़ के नीचे बम प्लांट किया था और उसे पत्थरों से छिपा दिया था। सर्चिंग के दौरान जवानों ने 5 किलो का कुकर बम बरामद किया। बम निरोधक दस्ते को सूचना दी गई, जिसे बीडीएस की टीम ने डिफ्यूज कर दिया। जवानों की सतर्कता से एक बड़ी घटना टल गई।

बीजापुर में ब्लास्ट से जवान हुआ था घायल

बता दें कि 3 दिन पहले बीजापुर के नेलसनार में सीएएफकी 8वीं वाहिनी की कंपनी में तैनात जवान रामनाथ मौर्य बम ब्लास्ट से घायल हुआ था। एरिया डोमिनेशन के दौरान बंगोली घाट के पास माओवादियों ने पहले से आईईडी बम लगा रखा था, जिस पर पैर पड़ते ही वह ब्लास्ट हो गया। इस घटना में जवान का दोनों पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। बीजापुर जिले के नेलसनार थानाक्षेत्र में ही 12 अप्रैल को सीआरपीएफऔर जिला बल के जवानों ने एक 5 किलो का कुकर बम बरामद किया था। जवानों ने शक्तिशाली बम को सुरक्षित तरीके से विस्फोट कर निष्क्रिय कर दिया था।

संपादकीय

प्रतिबंधों का उलटा असर?

रूसी मुद्रा रुबल इस साल अब तक दुनिया में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा साबित हुई है। उधर अनुमान है कि रूस में इस साल रिकॉर्ड व्यापार मुनाफा होगा। तो क्या रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का उलटा असर हो रहा है?

दो खबरों पर गौर कीजिए। अमेरिकी वेबसाइट ब्लूमबर्ग ने बताया है कि रूसी मुद्रा रुबल इस साल अब तक दुनिया में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा साबित हुई है। उधर लंदन की मशहूर पत्रिका द इकॉनमिस्ट ने अनुमान लगाया है कि रूस में इस साल रिकॉर्ड व्यापार मुनाफा होगा। तो ये सवाल उठेगा कि क्या रूस पर लगाए गए पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का उलटा असर हो रहा है? एक तरफ प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप पश्चिमी देशों में महंगाई और आर्थिक समस्याएं बढ़ी हैं। जबकि ऐसा लगता है कि रूसी अर्थव्यवस्था कुछ मामलों में मजबूत हुई है। ब्लूमबर्ग ने कहा है कि रूस ने पूंजी नियंत्रण की नीति अपना कर रुबल को ढहने से बचा लिया है। इस साल के आरंभ में अमेरिकी डॉलर की तुलना में रुबल का जो भाव था, बीते हफ्ते उसकी कीमत उससे 11 प्रतिशत अधिक थी। दुनिया के किसी अन्य देश की मुद्रा की कीमत इस वर्ष इतनी नहीं बढ़ी। 31 देशों की मुद्राओं के आकलन के आधार पर ब्लूमबर्ग ने ये निष्कर्ष निकाला है।

> “ रूस के सबसे बड़े आठ व्यापार सहभागियों के मामले में ऐसा ही रुझान देखा गया है। उनके मुताबिक रूस को हुए निर्यात में जहां 44 फीसदी गिरावट आई है, वहीं रूस से होने वाला आयात आठ प्रतिशत बढ़ा है। रूस पर पश्चिमी देशों ने जब सख्त प्रतिबंध लगाए, तब रुबल की कीमत धड़ाम से गिरी थी। लेकिन बाद में रूसी सेंट्रल बैंक ने उसे संभाल लिया। सवाल है कि क्या लाभ की यह स्थिति टिकाऊ होगी? ऐसा हुआ, तो पश्चिम के लिए मुश्किल स्थिति खड़ी हो सकती है।

द इकॉनमिस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि रूस ने हालांकि व्यापार के बारे में हर महीने आंकड़े जारी करना रोक दिया है, लेकिन उससे व्यापार कर रहे देशों के आंकड़ों से संकेत मिला है कि रूस का व्यापार लाभ तेजी से बढ़ रहा है। पिछले नौ मई को चीन ने बताया कि रूस को उसके निर्यात में लगभग 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। लेकिन रूस से आयात 56 प्रतिशत बढ़ा है। मार्च में रूस को जर्मनी के निर्यात में 62 प्रतिशत की गिरावट आई। जबकि रूस से वहां आयात सिर्फ तीन फीसदी घटा। रूस के सबसे बड़े आठ व्यापार सहभागियों के मामले में ऐसा ही रुझान देखा गया है। उनके मुताबिक रूस को हुए निर्यात में जहां 44 फीसदी गिरावट आई है, वहीं रूस से होने वाला आयात आठ प्रतिशत बढ़ा है। रूस पर पश्चिमी देशों ने जब सख्त प्रतिबंध लगाए, तब रुबल की कीमत धड़ाम से गिरी थी। लेकिन बाद में रूसी सेंट्रल बैंक ने उसे संभाल लिया। सवाल है कि क्या लाभ की यह स्थिति टिकाऊ होगी? ऐसा हुआ, तो पश्चिम के लिए मुश्किल स्थिति खड़ी हो सकती है।

सीएम बदलने का सिलसिला जारी रहेगा!

भारतीय जनता पार्टी ने पिछले एक साल में चार मुख्यमंत्री बदले हैं। पार्टी के जानकार नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री बदलने का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। सो, त्रिपुरा में बिप्लब देब को हटाए जाने के बाद से अटकल लगाई जाने लगी कि अब किसकी बारी है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई सबसे ज्यादा आशंकित हैं। उनके राज्य में अगले साल मई में विधानसभा का चुनाव होना है। उससे पहले उनके ऊपर बहुत दबाव है। पार्टी की एक मजबूत लॉबी, जिसे आरएसएस के एक बड़े नेता का समर्थन प्राप्त है वह उनके पीछे पड़ी है। वे हाल में दिल्ली आकर गृह मंत्री अमित शाह से मिले और उसके बाद कहा कि कुछ भी हो सकता है। सो, कर्नाटक में कुछ भी होने का इंतजार शुरू हो गया है।

असल में भाजपा को उत्तराखंड में मुख्यमंत्री बदलने का फायदा हुआ है इसलिए उसने यह दांव त्रिपुरा में आजमाया है। पिछले साल भाजपा ने उत्तराखंड में त्रिवेंद्र सिंह रावत को हटा कर तीरथ सिंह रावत को सीएम बनाया और चार महीने में ही उनको भी हटा कर पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री बनाया, जिनकी कमान में भाजपा लगातार दूसरी बार चुनाव जीत गई। इसी तरह पिछले साल असम चुनाव के बाद भाजपा ने मुख्यमंत्री बदला और सर्बानंद सोनोवाल की जगह हिमंता बिस्वा सरमा को मुख्यमंत्री बनाया था। गुजरात में भी इस साल के अंत में चुनाव हैं और उसकी तैयारियों के लिए पार्टी ने पिछले साल विजय रूपानी को मुख्यमंत्री पद से हटा कर भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाया।

> “ पाकिस्तान के पास चीन निर्मित 10 एअर ब्लास्ट स्प्रेयर हैं, जिन्हें ट्रक पर फिट करके तेज गति से कीटनाशकों का छिड़काव किया जा सकता है। यदि पाकिस्तान ने इन मशीनों का इस्तेमाल अंधड़ के समय भारत की तरफकिया, तो टिड्डे कम मरेंगे और वे तेजी से भारत में प्रवेश करेंगे। वैसे टिड्डों के व्यवहार से लगता है कि उनका प्रकोप जुलाई-अगस्त तक चरम पर होगा।

पंकज चतुर्वेदी

फिर लौटेंगी टिड्डियां : भारत-पाकिस्तान की सीमा पर रेतीले बवंडर और अंधड़ के साथ आ रहा बड़ा संकट

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के ताजा बुलेटिन में बताया गया है कि फरवरी-मार्च में पाकिस्तान के बलूचिस्तान इलाके के ग्वादर जिले में टिड्डियों ने जो अंडे दिए थे, वे अब वयस्क बन गए हैं। इसी तरह मार्च में ही ईरान में भी टिड्डी दल ने बच्चे दिए हैं। हालांकि अभी ये लाखों टिड्डी-दल एकल अर्थात सॉलिटरी अवस्था में हैं, लेकिन प्रबल आशंका है कि जैसे ही भारत में मानूसन सक्रिय होगा और रेगिस्तान में रेत के धारों में तरावट आएगी, हमारी हरियाली को अफ्रीकी टिड्डों का ग्रहण लग सकता है।

इन दिनों भारत-पाकिस्तान की सीमा पर हजारों किलोमीटर में फैले रेगिस्तान में अंधड़ चलने लगे हैं और इस रेतीले बवंडर के साथ आ रहे टिड्डियों के दल भारत के लिए बड़ा संकट खड़ा कर रहे हैं। उधर सूडान में इन टिड्डी दलों ने नुकसान करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान सरकार जान-बूझकर टिड्डियों के बारे में माकूल जानकारी भारत को देती नहीं है। राजस्थान सरकार के दस्तावेज बताते हैं कि मई, 2019 से फरवरी, 2020 तक पाकिस्तान से आए टिड्डी दलों ने सात जिलों में भारी नुकसान किया था।

उस दौरान बाड़मेर में 22 हजार हेक्टेयर, जैसलमेर में 75 हजार, जोधपुर में 4,500 हेक्टेयर खेतों सहित कुल 2.25 लाख हेक्टेयर की खड़ी फसल टिड्डी दल ने नष्ट कर दिया था। वर्ष 2021 में भी जब टिड्डी दलों ने भारत पर हमला बोला, तो गुजरात और राजस्थान में 1.7 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खड़ी तिलहन, जीरे और गेहूं की फसलों को नुकसान पहुंचा था। सोमालिया जैसे उत्तर-पूर्वी अफ्रीकी देशों से ये टिड्डे यमन, सऊदी अरब और पाकिस्तान होते हुए भारत पहुंचते रहे हैं।

हमारी फसल और जंगलों के दुश्मन टिड्डे, वास्तव में मध्यम या बड़े आकार के वे साधारण टिड्डे (ग्रास होपर) हैं, जो हमें यदा-कदा दिखलाई देते हैं। रेगिस्तानी टिड्डे इनकी सबसे खतरनाक प्रजाति हैं। इनकी पहचान पीले रंग और विशाल झुंड के कारण होती है। हर दो-तीन हफ्ते में टिड्डी दल हजारों गुना की गति से बढ़ते जाते हैं। टिड्डी दल दिन में तेज धूप के कारण बहुधा आकाश में उड़ते रहते हैं और शाम ढलते ही पेड़-पौधों पर बैठकर उन्हें चट कर जाते हैं। अगली सुबह सूर्योदय से पहले ही ये आगे उड़ जाते हैं।

जब आकाश में बादल हों तो ये कम उड़ते हैं, पर यह उनके प्रजनन का माकूल मौसम होता है। ताजा शोध से पता चला है कि जब अकेली टिड्डी एक विशेष अवस्था में पहुंच जाती है, तो उससे एक गंधयुक्त रसायन निकलता है। इसी रासायनिक संदेश से टिड्डियां एकत्र होने लगती हैं और उनका घना झुंड बन जाता हैं। इस विशेष रसायन को नष्ट करने या उसके प्रभाव को रोकने की कोई युक्ति अभी तक नहीं खोजी जा सकी है। वैसे तो भारत-पाकिस्तान के बीच टिड्डियों को रोकने के लिए समझौते हुए हैं और इसकी बैठकें भी होती हैं, लेकिन इस बार लगता है कि पाकिस्तान ने भारत में टिड्डी हमले को साजिशन अंजाम दिया है।

हालांकि एफएओ ने पहले ही चेता दिया था कि इस बार टिड्डियों का हमला हो सकता है। समझौते के मुताबिक, पाकिस्तान को उसी समय रासायनिक छिड़काव कर उन्हें मार डालना चाहिए था, लेकिन वह नियमित बैठकों में झूठे वादे करता रहा। पाकिस्तान के पास चीन निर्मित 10 एअर ब्लास्ट स्प्रेयर हैं, जिन्हें ट्रक पर फिट करके तेज गति से कीटनाशकों का छिड़काव किया जा सकता है। यदि पाकिस्तान ने इन मशीनों का इस्तेमाल अंधड़ के समय भारत की तरफकिया, तो टिड्डे कम मरेंगे और वे तेजी से भारत में प्रवेश करेंगे।

वैसे टिड्डों के व्यवहार से लगता है कि उनका प्रकोप जुलाई-अगस्त तक चरम पर होगा। एफएओ चेता चुका है कि मानसून के साथ इस दल का हमला गुजरात में भुज के आसपास होगा। यदि राजस्थान और उससे सटे पाकिस्तानी सीमा पर टिड्डी दलों के भीतर घुसते ही सघन हवाई छिड़काव किया जाए, साथ ही जनता के सहयोग से रेत के धौरों में अंडफली नष्ट करने का काम शुरू किया जाए, तो टिड्डियों को रोका जा सकता है। साफहै कि इनसे निपटने के लिए भारत और पाकिस्तान को मिल-जुलकर ईमानदारी से काम करना होगा।

महेंद्र वेद

लुंबिनी से संदेश : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बेहद छोटी नेपाल यात्रा के मायने, निकट अतीत की विसंगतियां दुरुस्त होगीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बेहद छोटी, लेकिन महत्वपूर्ण नेपाल यात्रा को निकट अतीत की विसंगतियों को दुरुस्त करने और मौजूदा दोतरफा संबंधों का पूरा लाभ उठाने के एक प्रयास के तौर पर देखा जाना चाहिए। वैसे तो नेपाल एक हिंदू बहुसंख्यक राष्ट्र है, लेकिन यह अपने उस सुनहरे अतीत को भी बहुत महत्व देता है, जब वहां बौद्ध धर्म फला-फूला था। नेपाल के लिए लुंबिनी एक जगह मात्र नहीं है, बल्कि यह बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध की पावन जन्मस्थली भी है।

दरअसल नेपाल के बौद्धिकों के एक हिस्से की हमेशा से यह शिकायत रही है कि भारत ने खुद को दुनिया में बौद्ध धर्म के स्रोत और प्रवतर्क देश के रूप में पेश किया है, क्योंकि बुद्ध से जुड़ी हुई सारनाथ, बोधगया और दूसरी कुछ जगहें भारत में ही हैं। सच्चाई भी यही है कि बुद्ध ने सिद्धार्थ के रूप में जन्म बेशक लुंबिनी में लिया हो, लेकिन उन्हें बुद्धत्व की प्राप्ति बिहार के बोधगया में हुई, उन्होंने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया, और उनका निर्वाण कुशीनगर में हुआ।

बौद्ध धर्म के बारे में भारत और बाहर के देशों में जितना भी लिखा गया है, उन सब में यही बताया गया है कि बौद्ध धर्म की शुरुआत भारत में हुई थी। जबकि बुद्ध की प्राचीन मूर्तियां, प्रतिमाएं और बौद्ध धर्म से जुड़ी विरासत के निशान अफगानिस्तान, पाकिस्तान और श्रीलंका तक फैले हुए हैं। भारत की ही तरह इस पूरे क्षेत्र में कभी बौद्ध धर्म का व्यापक प्रसार था। बुद्ध पूर्णिमा के दिन प्रधानमंत्री मोदी की लुंबिनी यात्रा का मतलब बौद्ध धर्म के प्रवर्तक देश नेपाल को उसका वाजिब श्रेय देना था। ऐतिहासिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक पहलुओं के अलावा अपनी लुंबिनी यात्रा के जरिये मोदी ने एक मुद्दे पर भारत की ओर से की गई देरी को भी दुरस्त किया। उन्होंने लुंबिनी में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर फॉर बुद्धिस्ट कल्चर ऐंड हेरिटेज की आधारशिला रखी। जाहिर है, यह बहुत देरी से उठाया गया कदम है, क्योंकि बौद्ध दर्शन और संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए अमेरिका, चीन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी और थाईलैंड जैसे देश दशकों पहले लुंबिनी में अपने-अपने केंद्र स्थापित कर चुके हैं।

लुंबिनी में यह भारतीय केंद्र तीन साल में तैयार होगा। नई दिल्ली स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महासंघ (आईबीसी) इसका निर्माण करेगा, जिसमें लगभग एक अरब रुपये खर्च होंगे।

दरअसल विगत मार्च में हुए समझौते के बाद लुंबिनी विकास ट्रस्ट ने अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महासंघ को लुंबिनी में भारतीय केंद्र के निर्माण के लिए जगह आवंटित की। एक बार तैयार हो जाने के बाद लुंबिनी के इस भारतीय केंद्र में दुनिया भर के श्रद्धालु और पर्यटक ठहर सकेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की इस संक्षिप्त नेपाल यात्रा में फोकस, जाहिर है, काठमांडू के बजाय लुंबिनी पर रहा।

लुंबिनी नेपाल की पवित्रतम जगह तो है ही, उस देश के कुछ महत्वपूर्ण सांस्कृतिक केंद्रों में से भी है, इस कारण यूनेस्को ने इसे अपनी विश्व धरोहर सूची में रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लुंबिनी में जो कुछ भी कहा, उसके कूटनीतिक महत्व की अनदेखी नहीं की जा सकती। मोदी की टिप्पणी थी कि 'भारत और नेपाल के रिश्ते हिमालय की तरह हैं, जिन्हें हिलाया नहीं जा सकता।' उन्होंने नेपाल के साथ भारत के संबंधों के बारे में वही कहा, जो चीन अक्सर पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों के बारे में कहता है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जब चीन के दौरे पर गए थे, तब शी जिनपिंग ने कहा था कि चीन और पाकिस्तान के रिश्ते पहाड़ों से भी ऊंचे और सागर से भी गहरे हैं। चारों तरफसे जमीन से घिरे नेपाल में 'ऊंचे पहाड़' हैं। उसे 'गहरे समुद्र' तक जाने का रास्ता भारत ही मुहैया करा सकता है। पहले नेपाल के प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउबा की भारत यात्रा और अब मोदी की संक्षिप्त नेपाल यात्रा से वस्तुत: उस आपसी भरोसे और सहयोग की नए सिरे से शुरुआत हो सकती है, जिसकी नेपाल को बहुत जरूरत है।

नेपाल अपने उत्पादों के परिवहन के लिए भारत पर पूरी तरह से निर्भर है। समुद्र यानी बंदरगाह तक नेपाल की पहुंच भारत के जरिये ही है, और नेपाल अपनी जरूरतों का बड़ा हिस्सा भारत और दूसरे देशों से आयात करता है।

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

दोस्तों दिमाग पे कोई बोझ मत रखों, मन की बात गुरू मिले, दोसेत मिले, बुजुर्ग मिले, उनसे कह डालो हल्के होकर विचार विनिमय करो।

–अंजली जैन
7024460938

वेद प्रताप वैदिक

गेंहू बना सिरदर्द

अभी महिना भर पहले तक सरकार दावे कर रही थी कि इस बार देश में गेहूं का उत्पादन गज़ब का होगा। उम्मीद थी कि वह 11 करोड़ टन से ज्यादा ही होगा और भारत इस साल सबसे ज्यादा गेहूं निर्यात करेगा और जमकर पैसे कमाएगा। इसकी संभावना इसलिए भी बढ़ गई थी कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया में गेहूं की कमी पड़ने लगी है लेकिन ऐसा क्या हुआ कि सरकार ने रातों-रात फैसला कर लिया कि भारत अब गेहूं निर्यात नहीं करेगा?

इसका पहला कारण तो यह है कि गेहूं का उत्पादन अचानक घट गया है। इसका मुख्य कारण मार्च, अप्रैल और मई में पड़ने वाली भयंकर गर्मी है। सरकार ने पिछले साल अपने गोदामों में सवा चार करोड़ टन गेहूं खरीदकर भर लिया था लेकिन इस बार वह सिर्फ दो करोड़ टन गेहूं ही खरीद पाई है। पिछले 15 साल में इतना कम सरकारी भंडारण पहली बार हुआ है। सरकार को उम्मीद थी कि इस बार 11 करोड़ टन से भी ज्यादा गेहूं पैदा होगा और वह लगभग एक-डेढ़ करोड़ टन निर्यात करेगी।

सरकारी अनुमान है कि इस साल गेहूं का उत्पादन 10 करोड़ टन से भी कम होगा। लगभग 4-5 करोड़ टन के निर्यात के समझौते हो चुके हैं और लगभग डेढ़ करोड़ टन निर्यात भी हो चुका है। हजारों टन गेहूं हम अफगानिस्तान और श्रीलंका भी भेज चुके हैं। अब इस निर्यात पर जो प्रतिबंध लगाया गया है, उसके पीछे तर्क यही है कि एक तो लगभग 80 करोड़ लोगों को निशुल्क अनाज बांटना है और दूसरा यह कि अनाज के दाम अचानक बहुत बढ़ गए हैं।

20-22 रू. किलो का गेहूं आजकल बाजार में 30 रु. किलो तक बिक रहा है। यह ठीक है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस समय गेहूं के दामों में काफी उछाल आ गया है और भारत उससे काफी पैसा कमा सकता है लेकिन सरकार का यह डर बहुत स्वाभाविक है कि यदि निर्यात बढ़ गया तो गेहूं इतना कम न पड़ जाए कि भारत में संकट खड़ा हो जाए। सरकार का यह सोच तो व्यावहारिक है लेकिन यदि गेहूं का निर्यात रूक गया तो हमारे किसानों की आमदनी काफी घट जाएगी। उन्हें मजबूर होकर अपने गेहूं को सस्ते से सस्ते दाम पर बेचना होगा।

इस समय सबसे बड़ी चांदी उन व्यापारियों की है, जिन्होंने ज्यादा कीमतों पर गेहूं खरीदकर अपने गोदामों में दबा लिया है लेकिन गेहूं का निर्यात रूक जाने से उसके दाम गिरेंगे और इससे किसानों से भी ज्यादा व्यापारी घाटे में उतर जाएंगे। सरकार चाहती तो निर्यात किए जानेवाले गेहूं के दाम बढ़ा सकती थी। उससे निर्यात की मात्रा घटती लेकिन सरकार की आमदनी बढ़ जाती। वह किसानों से भी थोड़ी ज्यादा कीमत पर गेहूं खरीदती तो उसका भंडारण दुगुना हो सकता था। गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने के पीछे श्रीलंका से टपक रहा सबक भी है। इस समय देश में खाद्य-पदार्थों की मंहगाई से लोगों का पारा चढ़ना स्वाभाविक हो गया है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

नरवा विकास योजना के तहत कवर्धा वन मंडल में जल संरक्षण के लिए किया जा रहा कार्य

कवर्धा। राज्य शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं के तहत् अति महत्वाकांक्षी योजना अंतर्गत नरवा विकास योजना एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ के नरवाओं के जलग्रहण क्षेत्र का उपचार किया जा रहा है जिससे पूरे क्षेत्र में वाटर लेबल की पर्याप्त उपलब्धता के साथ वहां के आसपास के लोगों के लिए पानी की उपलब्धता तथा वनक्षेत्र में पाये जाने वाले विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों को भी पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा सके। इसी तारतम्य में कवर्धा वनमंडल अंतर्गत छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग मंत्री मोहम्मद अकबर के निर्देशानुसार वर्ष 2021-22 के कैम्पा ए.पी.ओ. अनुसार 21 नालों में भू-जल संरक्षण कार्य का उपचार किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत में 16 हजार 459 प्रकरणों की सुनवाई, 13 हजार 14 प्रकरण किये गये निराकृत

कोरिया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2022 में आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत के अनुक्रम में मुख्य संरक्षक एवं कार्यपालक अधयक्ष छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य में तालुका स्तर से लेकर उच्च न्यायालय स्तर तक सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जहां राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति व सुलह समझौता से निराकृत किये गये हैं। उक्त लोक अदालत में प्रकरणों के पक्षकारों की भौतिक तथा वर्चुअल दोनों ही माध्यमों से उनकी उपस्थिति में निराकृत किये जाने के अतिरिक्त स्पेशल सेटिंग के माध्यम से भी पेटी ऑफेंस के प्रकरणों को निराकृत किये गये हैं। प्राधिकरण श्री आनंद कुमार ध्रुव द्वारा 14 मई को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला स्तर पर न्यायालय बैकुण्ठपुर एवं तालुका स्तर में तालुका न्यायालय मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी व जनकपुर में 12 खण्डपीठ गठन कर लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया, जिसमें 16 हजार 459 प्रकरण रखे गये ।

16 जून तक चलेगा मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ सह सघन टीबी, मोतियाबिंद, अभियान

डेंगू, मलेरिया से बचाव के लिए निकाली गई जागरुकता रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जिले में 16 मई को डेंगू व मच्छर जनित रोग के विषय में जागरूक करने को स्वास्थ्य विभाग द्वारा रैली निकाली गई। इस दौरान लोगों को इस रोग के लक्षण व उन्मूलन के लिए जागरूक किया गया। प्रत्येक वर्ष 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है, जिसका मूल उद्देश्य डेंगू पर नियंत्रण के लिए जनजागरुकता का प्रसार है।

इस वर्ष राष्ट्रीय डेंगू दिवस ''डेंगू इज प्रिवेंटिबल : लेट्स जॉइन हैंड्स की थीम पर मनाया गया। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से प्रचारित किया गया कि डेंगू मच्छर जनित एक वायरल बीमारी है जिसमें सिर में दर्द, तेज बुखार, मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द जैसी परेशानियां होती हैं और त्वचा पर चकत्ते भी निकल आते हैं। डेंगू फीमेल एडीज मच्छर के काटने से होता है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.के.चतुर्वेदी ने बताया: मच्छर जनित रोगों पर नियंत्रण के लिए जिले के सभी विकासखंडों में जन स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य लेकर लगातार विभिन्न जागरुकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

इसके अतिरिक्त 17 मई से 16 जून तक मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ सह सघन टीबी ,मोतियाबिंद, स्केबीज जांच उपचार अभियान चलाया जाएगा। डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियां मच्छरों के काटने से होती हैं लेकिन मामूली सावधानी अपनाने से मच्छर के काटने से बचा सकता है। भारत में विशेषकर यह बारिश के दिनों में होने वाला सामान्य रोग है। डेंगू का लार्वा सामान्यत: जमे हुए साफपानी में पनपता है और इसके पनपने के लिए जुलाई से लेकर अक्टूबर का समय काफी अनुकूल होता है। यही वजह है कि इस समयावधि में सतर्क रहना जरूरी होता है। डेंगू से बचाव के लिए सभी शासकीय अस्पतालों में निशुल्क उपचार की व्यवस्था है।

उन्होंने आगे बताया: एडीज एजिप्टी एक ऐसा मच्छर है जो डेंगू बुखार, चिकनगुनिया, जीका बुखार, मायरो बुखार के वायरस और अन्य रोग एजेंटों को फैला सकता है। विशेषकर बारिश के मौसम की शुरुआत के साथ ही मच्छरों के प्रजनन और परिणामस्वरूप महामारी में वृद्धि होती है। एडीज एजिप्टी मच्छर सबसे ज्यादा सुबह और शाम को और छायादार क्षेत्रों में पाए जाते हैं। यह पूरे साल या अनुकूल स्थिति में किसी भी समय संक्रमण फैला सकते हैं। इससे बचाव हेतु सभी को आवश्यक उपाय अपनाना चाहिए।

डेंगू से ऐसे करें बचाव

डेंगू का मच्छर आम मच्छरों से अलग होता है और यह दिन की रोशनी में काटता है। ऐसे में घर और आसपास मच्छरों को पनपने न दें। कूलर में पानी जमा होने से उसमें डेंगू का लार्वा पनपने का खतरा रहता है। कूलर का उपयोग न होने पर उसका पानी खाली कर दें। घर की छत पर रखे गमलों या अन्य चीजों में पानी जमा हो तो उसे तुरंत खाली करना चाहिए क्योंकि इसमें डेंगू लार्वा पैदा हो सकते हैं। घरों के आसपास या गड्ढों में पानी जमा ना होने दें। वहीं मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी और स्प्रे का इस्तेमाल करें।

गैरेज में लगी आग से तीन गाड़ी जलकर स्वाहा, फायर कर्मियों की सजगता से टला बड़ा हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेवाई थाना के अंतर्गत शीतला मंदिर के पास गैरेज में लगी आग से चार पहिया वाहन जलकर हुए खाक हो गया। फायर ब्रिगेड ने आग को रुई गद्दा दुकान तक पहुंचने से पहले बुझाया, पुलिस की सजगता से बड़ा हादसा टल गया।

गैरेज में रखें 3 कार में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए दुर्ग से अग्निशमन दल को रवाना किया गया अग्निशमन दल पहुंच कर दुकाने व तीन कारों में लगी आग को पूर्ण रूप से बुझाया और बाजू में लगी हुई रूई गद्दा की दुकान की तरफ आग को बढने् से रोका गया। वहीं आग कैसी लगी है उसके कारणों को पता नहीं चल सका है। नेवई पुलिस ने बताया कि कल रात को गश्त के दौरान पेट्रोलिंग पार्टी ने देखा कि शीतला मंदिर के समीप स्थित राजू गैरेज में खड़ी तीन चार पहिया वाहनों में आग लगी हुई है तत्काल पुलिस पार्टी के द्वारा आग को बुझाने का प्रयास करने के साथ-साथ पुलिस नियंत्रण कक्ष स्थित अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा को सूचित किया गया सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड ने घटनास्थल पहुंचकर आगजनी को नियंत्रित किया। समय पर पुलिस की सजगता एवं फायर कर्मियों के प्रयास से आग को समीप स्थित रुई दुकान तक जाने से बचाया गया आग फैलती तो स्थिति खतरनाक हो सकती थी आगजनी का कारण ज्ञात नहीं हो सका है। अग्निशमन कर्मी धनु यादव, संतोष मढरिया, नरोत्तम टंडन, मोहन राव, शारदा प्रसाद का सराहनीय योगदान रहा।

महिला समिति दवारा केला तना रेशा, केला तना जल एवं केला तना पल्प उत्पादन कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केंद्र बेमेतरा के तकनिकी सहयोग से ग्राम गौठान -राखी जोवा, विकासखंड-साजा में उन्नति केला तना रेशा उत्पादन समिति की महिलाओं द्वारा केला तना से केला तना रेशा, केला तना जल एवं केला तना पल्प उत्पादन कार्य किया जा रहा है।

केला तना रेशा, केला तना जल एवं केला तना पल्प उत्पादन कार्य जनवरी 2022 के अंतिम सप्ताह से प्रारम्भ किया गया।

महिला समिति दवारा अप्रैल तक डेढ़ टन केला तना रेशा का निष्कासन कर एक टन रेशा गुजरात की नेट्लूप कंपनी को विक्रय कर रूपए डेढ़ लाख साथ ही साथ केला जल व केला पल्प का विक्रय कर 1.25 लाख एवं 500 किलोग्राम केला तना रेशा से हस्तशिल्प व हथकरघा उत्पाद निर्माण कार्य किया जा रहा है। महिला समिति को केला तना रेशा से हस्तशिल्प व हथकरघा उत्पाद निर्माण पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है।

शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु बीएसपी ने अपने प्रयासों में लाई तेजी, विभिन्न सुधारात्मक कार्यों को दिया अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-बीएसपी को छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा महानदी रिवर प्रोजेक्ट से वर्तमान में जलापूर्ति की जा रही है। इस जल को बीएसपी के जल शोधन संयंत्र द्वारा यथासंभव सतत प्रयास करते हुए मानक गुणवत्ता के अनुकूल शोधित जल को नगर सेवाएं विभाग के तहत संचालित जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को उपलब्ध करा रहा है। इस संशोधित जल को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा भिलाई टाउनशिप के जन सामान्य को उपलब्ध कराया जाता है।

गंदे पानी की शिकायत के संज्ञान में आते ही भिलाई इस्पात संयंत्र के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा उपलब्ध अधोसंरचना के नियमित रखरखाव कार्य के साथ-साथ सघन रूप से तत्परता पूर्वक निरीक्षण व परीक्षण किया जा रहा है। वर्तमान में भिलाई टाउनशिप में प्रदान किया जा रहा पेयजल सुरक्षित एवं पीने योग्य है। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग द्वारा शुद्ध व सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने हेतु विगत 3 माह में अनेक कार्यों को अंजाम दिया। इनमें प्रमुख है- मार्च 2022, तक 28 ओवरहेड टैंक तथा 8 अंडरग्राउंड रिजर्ववॉयर की सफाई की गई है। जिसमें से जनवरी, 2022 में 19 ओवरहेड तथा 7 अंडर ग्राउंड रिजर्ववॉयर, फरवरी, 2022 में 6 ओवरहेड तथा मार्च, 2022 में 3 ओवरहेड और 1 अंडर ग्राउंड रिजर्ववॉयर की सफाई की गई। इसी क्रम में जलापूर्ति पाइप लाइंस के लीकेज का निरीक्षण तथा रेक्टिफिकेशन कार्य संपन्न किया गया।

जनवरी 2022 से लेकर अप्रैल 2022 तक कुल 55 लीकेजेस बंद किए गए। सुधारात्मक कार्रवाई के तहत बीएसपी द्वारा घरेलू जलापूर्ति पाइप लाइंस में विभिन्न अनुरक्षणात्मक कार्य करने के साथ ही पाइप लाइन रिपेयर तथा पाइप्स के फ्लशिंग का कार्य संपन्न किया गया। अब तक फ्लशिंग का कार्य 24 सड़कों में संपन्न किया गया है।

इसी प्रकार विगत 4 माह में कुल 310 घरों में वाटर सैंपलिंग लेकर, विभिन्न क्वालिटी पैरामीटर्स की जांच की गई जिसके तहत आपूर्ति किए जाने वाले पेयजल को पीने योग्य पाया गया। इसके अलावा वाटर पाइप लाइन में छोटे व बड़े लीकेज का नियमित निरीक्षण कर इसे दूर करने के समग्र उपाय किए गए हैं।

शिकायत अथवा अवलोकन के आधार पर जलापूर्ति के पाइप लाइन के लीकेज हेतु विभिन्न रिपेयर कार्य संपन्न किए गए हैं। विगत 3 वर्षों में 21 किलोमीटर पाइप लाइंस को बदला गया है साथ ही 1500 लीकेज शिकायतों का निवारण किया गया है। भिलाई इस्पात संयंत्र एक जिम्मेदार कॉरपोरेट होने के नाते पेयजल के संदर्भ में सभी मानकों पर खरा उतरने के बाद ही पेयजल की सप्लाई की जा रही है।

बीएसपी द्वारा भिलाई टाउनशिप में प्रदत पानी पूर्णता पीने योग्य है।

मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ फिल्म महोत्सव के आयोजनकर्ताओं ने की सौजन्य मुलाकात

27 मई से 7 दिनों तक प्रभात टॉकीज में छत्तीसगढ़ फिल्मों का होगा निःशुल्क प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ फिल्म महोत्सव के आयोजनकर्ताओं ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री बघेल को रायपुर में 27 मई से आयोजित होने वाले 7 दिवसीय छत्तीसगढ़ फिल्म महोत्सव में शामिल होने का आमत्रंण और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने इसके लिए आयोजनकर्ताओं को धन्यवाद दिया। छत्तीसगढ़ी फिल्म निर्माता एवं निर्देशक श्री मोहन सुंदरानी ने मुख्यमंत्री को बताया कि 27 मई से 7 दिनों तक रायपुर के प्रभात टॉकिज में 28 फिल्मों का नि:शुल्क प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर फिल्म निर्माता अलख राय, अजय दुबे, लकी साही एवं योगेश्वरानंद नेताम मौजूद थे।

RKMG COMMUNITY
E-Commerce platform for Indians

समस्त व्यापारि भाइयों और बहनों के लिए e-commerce प्लेटफॉर्म है RKMG community जो कि आपको आने वाले समय में मजबूत करेगा compete करने के लिए हर आन लाइन प्लेटफार्म से।

- हम आपको digital franchise बनाएँगे, जहाँ कई branded companies के समान को competitive रेट पर अपने ग्राहक को बेच पाएंगे और अपनी आमदनी बढ़ा पाएंगे।
- यहाँ अपने ग्राहक को पचास से भी अधिक समान बेच पाएंगे, बिना स्टोक रखे ।
- अपने ग्राहक से पैसे अपने अकाउंट में लेंगे और franchise price काट कर बाकी कम्पनी के ऑडर के लिए देंगे।
- RKMG आप लोगो से रूपए 5000+18% GST Franchise agreement fee लेगी।
- अधिक जानकारी के लिए 7828463843 & 9650145151 पर काल करे।

We are about to launch products live of your interest from 7th of May w®ww. From this day onwards You may Log on to www.rkmg.in/community/inde&.html and you will come to a page "welcome to RKMG community. On that page click on Read more. To buy products and services, click on to ecommerce and you will find all products being displayed. Here you are required to place order for the products at competitive prices as per your choices. You may contact at the below given franchisee for further clarification.

Pradeep Kumar Satpaty

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

गद्दा सादा 200/-
गद्दा हाथ बावडर 10 KG 650/-
गद्दा हाथ बावडर 15 KG 750/-
गद्दा मिनी चेक 6 KG 400/-
तकिया 100/- 2
तकिया 150/- 2
तकिया फायबर 250/- 2
कुशन फायबर 500/- सैट
MATTRESS 30% से 50% लेस
सफेद रूई के गद्दे 3X6 4X6 6X6 तैयार मिलते है।
सोफा कम बेड, बीन बैग, चादरे, सोफा कवर
संजय रूई भंडार
पंडरी मेन रोड, रायपुर
7987081626, 7987918262

खास खबर

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए ग्रामीण स्तर पर राजस्व शिविर का आयोजन

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार के निर्देश पर जिले में राजस्व प्रकरणों का निराकरण ग्रामीण स्तर पर शिविर लगाकर किया जा रहा है। राजस्व प्रकरण जैसे नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, व्यपवर्तन, नया किसान किताब जारी एवं अध्धतन करने, अस्थाई जाति प्रमाण पत्र जारी किए जाने, विलंबित जन्म प्रमाण पत्र की अनुमति आदि संबंधित प्रकरणों के निराकरण तथा राशनकार्ड जारी करने हेतु जिले के सभी तहसीलों में ग्रामवार राजस्व शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आज 18 मई को रायपुर तहसील के ग्राम बेंदरी, भैंसमुडा और दतरेंगा, तिल्दा तहसील के ग्राम बेमता और सिनोधा, आरंग तहसील के ग्राम बहनाकाडी, भोथली और अकोलीडीह, अभनपुर तहसील के ग्राम मुंडरा और कोलर, गोबरा नवापारा तहसील के ग्राम परसदा और मंदलोर तथा खरोरा तहसील के ग्राम कठिया और मढ़ी में राजस्व शिविर का आयोजन किया जाएगा। उक्त शिविर में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व), संबंधित तहसीलदार,नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, हल्का पटवारी, पंचायत सचिव, खाद्य निरीक्षक तथा जनपद पंचायतों में पदस्थ राशनकार्ड के प्रभारी को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए है।

केन्द्रीय पूल में अब तक 42.45 लाख मीट्रिक टन चावल जमा

रायपुर। राज्य में कस्टम मिलिंग के लिए अब तक 97.89 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है। राज्य सरकार द्वारा केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में भी तेजी से काम किया जा रहा है। अब तक केन्द्रीय पूल में 42.45 लाख मीट्रिक टन चावल जमा कराया जा चुका है, जिसमें भारतीय खाद्य निगम में 22.51 लाख मीट्रिक टन और नागरिक आपूर्ति निगम में 19.93 लाख मीट्रिक टन चावल शामिल है। खाद्य सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर इस वर्ष धान खरीदी के साथ ही उठाव एवं कस्टम मिलिंग का काम तेजी के साथ शुरू कर दिया गया था। राज्य में अब तक डीओ और टीओ के माध्यम से 97.89 लाख मीट्रिक टन धान का रिकार्ड उठाव हो चुका है। वर्मा ने बताया कि 75 लाख 09 हजार मीट्रिक टन धान का डीओ जारी कर दिया गया है। उपार्जन केन्द्रों से मिलर्स द्वारा 74 लाख 98 हजार मीट्रिक धान का उठाव कर लिया गया है। इसी प्रकार 22 लाख 90 हजार मीट्रिक टन धान के परिवहन के लिए टी.ओ. जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध समितियों से 22 लाख 90 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है। इस साल केन्द्रीय पूल में 61.65 लाख मीट्रिक टन अरवा चावल जमा कराया जाना है।

जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति पिछड़ा वर्ग के लिए टर्म लोन, आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई

रायपुर। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा पिछड़ा वर्ग में टर्म लोन व्यक्ति मूलक, माइक्रो लोन के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में योजना संचालित है। इस योजना की ईकाई लागत 2 लाख रूपए है। इस योजना के तहत ऋण लेने के लिए 18 से 50 वर्ष के इच्छुक युवक-युवतियाँ सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त जाति, मूल निवास एवं आय प्रमाण-पत्र (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में आय 3 लाख से कम) एवं एक फोटोग्राफ के साथ आवेदन कर सकते है। आवेदक को ऋण के बराबर का जमानत लगाना होगा। यह ऋण 5 वर्ष के लिए 6 प्रतिशत वार्षिक दर से प्रतिमाह किश्त के रूप में चुकाना होगा।

अन्तर्राष्ट्रीय बाजार मांग एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए करें अनुसंधानः डॉ. चंदेल

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने कृषि वैज्ञानिकों से किया आव्हान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कृषि वैज्ञानिकों से आव्हान किया है कि वे बदलते वैश्विक परिवेश के अनुरूप राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय बाजार की आवश्यकताओं एवं मांग को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान कार्य करें। उन्होंने कहा कि विभिन्न फसलों की ऐसी किस्में विकसित की जानी चाहिए जिनकी किसानों के बीच ज्यादा मांग है। इसके साथ ही खेती की लागत कम करने तथा किसान की आय बढ़ाने पर जोर दिया जाना चाहिए।

डॉ. चंदेल आज यहां कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सभाकक्ष में विभिन्न कृषि अनुसंधान परियोजनाओं से जुड़े हुए वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। डॉ. चंदेल ने कृषि अनुसंधान कार्यों में केन्द्र एवं राज्य प्रवर्तित योजनाओं का लाभ प्राप्त करने पर बल दिया। कुलपति डॉ. चंदेल ने इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर के नवीनीकृत सभाकक्ष का लोकार्पण भी किया।

कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. चंदेल ने कहा की आज देश में कृषि के क्षेत्र में अनेक चुनौतियां विद्यमान है जिनमें मौसम का बदलता मिजाज़, खेती की बढ़ती लागत, कम उत्पादकता और अधिक जोखिम मुख्य रूप से शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों को इन चुनौतियों से निबटते हुए कृषि उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने तथा किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए अनुसंधान कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि फसलों की ऐसी किस्में विकसित की जानी चाहिए जो मौसम की विषमताओं का सामना करने में सक्षम हो तथा अधिक उत्पादन देने में समर्थ हों। उन्होंने कहा कि युवा वैज्ञानिकों को अपने अनुसंधान एवं उत्पाद को पेटेन्ट करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। डॉ. चंदेल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा उत्पादित बीजों को किसानों एवं खुले बाजार में ''इंदिरा बीज'' के नाम से विक्रय किया जाएगा।

बैठक की शुरूआत में संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक त्रिपाठी ने कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अनुसंधान कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में स्थित 18 अनुसंधान केन्द्रों के माध्यम से 5 अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाएं तथा 42 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं संचालित की जा रही है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय स्तर पर 176 परियोजनाएं संचालित की जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा अब तक 36 विभिन्न फसलों की लगभग 150 प्रजातियां विकसित की गई हैं। विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के लिए 100 से अधिक नवीन कृषि तकनीकें विकसित की गई हैं। निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. चन्द्राकर ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विस्तार गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. एम.पी. ठाकुर ने स्वागत उदबोधन एवं आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विनय पाण्डेय, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम.पी. त्रिपाठी, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं वैज्ञानिकगण उपस्थित थे।

कन्वर्जेंस के जरिए ज्यादा से ज्यादा कार्य स्वीकृत किए जाएं : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना में औसत मानव दिवस में वृद्धि के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में मत्स्य पालन, कृषि, सिंचाई, उद्यानिकी, ग्रामोद्योग एवं वन विभाग की योजनाओं के साथ अभिसरण के तहत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को मनरेगा और विभिन्न विभागों की योजनाओं के अभिसरण (कन्वर्जेंस) के अधिक से अधिक कार्यों को शामिल करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में नरवा विकास कार्यक्रम के तहत किए गए कार्यों, ग्रामीण आजीविका मिशन एवं स्वच्छता मिशन सहित प्रधानमंत्री आवास योजना एवं ग्रामीण विकास विभाग की अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव रेणु जी पिल्ले शामिल हुई।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिला स्व-सहायता समूहों को जोड़ा गया है उनके कार्यों की सफलता की नियमित निगरानी करें। उन्होंने गौठानों में कार्यरत महिला स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने एवं वित्तीय सहयोग कर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की बात कही। बैठक में बताया कि महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत नरवा विकास के अंतर्गत प्रदेश में सर्वे कर कुल 28 हजार 248 नाले उपचार के लिए चयनित किए गए हैं। 9 हजार 541 नरवा के उपचार के कार्यों की स्वीकृति दी गई है एवं उपचार के कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि नरवा उपचार के बाद प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में भूमिगत जल स्तर में वृद्धि हुई है।

मुख्य सचिव ने स्वच्छता मिशन की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को मिशन अंतर्गत निर्मित सामुदायिक एवं व्यक्तिगत शौचालयों की उपयोगिता की मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत निर्माणाधीन सड़कों की गुणवत्ता की नियमित रूप से जांच सुनिश्चित करने और अपूर्ण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना और महात्मा गांधी रोजगार गारंटी के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. सहित ग्रामीण विकास योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के नोडल अधिकारी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ सरकार के कृषि और आजीविका मॉडल को मिली सराहना

श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में कृषि उत्पादन आयुक्त ने दिया प्रस्तुतीकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में कृषि को समृद्ध और किसानों को खुशहाल बनाने तथा कृषि आधारित गतिविधियों के माध्यम से गांवों में रोजगार और लोगों को स्वावलंबी बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों को देश के अन्य राज्यों ने जाना, समझा और सराहा है। छत्तीसगढ़ राज्य के कृषि और आजीविका मॉडल को जानने और समझने के लिए ''प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से नागरिकों और सरकार को करीब लाने'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में छत्तीसगढ़ को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है । श्रीनगर में आयोजित इस राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में छत्तीसगढ़ के कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ कमलप्रीत सिंह ने छत्तीसगढ़ में सतत कृषि और आजीविका विकास के मॉडल के बारे में विस्तार से पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुति दी।

यहां यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य बीते साढ़े 3 सालों में कृषि के क्षेत्र में मॉडल राज्य के रूप में उभरा है। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और कार्यक्रमों के चलते राज्य में कृषि उत्पादन, उत्पादकता एवं किसानों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

राज्य में कृषि उत्पादन, उत्पादकता और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए संचालित राजीव गांधी किसान योजना से कृषि को प्रोत्साहन मिला है। सुराजी गांव योजना के नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी कार्यक्रम और गोधन न्याय योजना से गांवों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। गौठान और गोधन न्याय योजना से राज्य में पशुधन के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा मिला है। ग्रामीण पशुपालक किसानों को पशुधन के देखरेख, उनके चारे- पानी के प्रबंध की चिंता दूर हो गई है।

गोधन न्याय योजना के तहत 2 रुपए किलो में क्रय किए जा रहे गोबर से पशुपालक किसानों को अतिरिक्त लाभ होने लगा है। पशुपालन राज्य में अब आय का जरिया बन गया है। राज्य के 8397 गांव में निर्मित एवं संचालित गौठानों में अब तक 69.28 लाख क्विंटल गोबर का क्रय किया गया है, जिसके एवज में गोबर विक्रेता पशुपालकों और ग्रामीणों को 138 करोड़ 56 लाख रुपए का भुगतान किया गया है। क्रय गोबर से 19 लाख क्विंटल से अधिक कंपोस्ट खाद का निर्माण कर महिला समूह ने 33 करोड़ 40 लाख की आय अर्जित की है। कंपोस्ट खाद का खेती में उपयोग होने से खाद्यान्न की गुणवत्ता और उत्पादकता बेहतर हुई है। कृषि की लागत में कमी आई है। छत्तीसगढ़ में पशुओं की खुली चढ़ाई प्रथा पर रोक लगी है। इससे पशुओं से फसल हानि रुकी है। कृषि उत्पादकता और दोहरी फसल का रकबा बढ़ा है। गौठान में पशुधन के चारे के प्रबंध के लिए राज्य में पैरादान अभियान से खेतों में पराली जलाने की समस्या से छुटकारा मिला है, जिसके चलते पर्यावरण को होने वाले नुकसान और कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है। राज्य के किसानों ने गौठानों को 20 लाख क्विंटल पैरा दान किया है, जिसका मूल्य लगभग 40 करोड़ रुपए है।

छत्तीसगढ़ के गौठान, गोधन न्याय योजना और रूरल इंडस्ट्रियल पार्क की आय मूलक गतिविधियां रही चर्चा का केंद्र बिंदु

राज्य के गांवों में स्थापित गौठानों से 12,013 महिला स्व- सहायता समूह जुड़े हैं, जिनकी सदस्य संख्या 82725 है। महिला समूह गौठनों में स्थापित रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में वर्मी कंपोस्ट, सुपर कंपोस्ट, सुपर कंपोस्ट प्लस के उत्पादन के साथ ही कई तरह के अन्य उत्पाद तैयार कर रही हैं। विभिन्न आय मूलक गतिविधियां जिसमें सब्जी उत्पादन, मछली पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, बटेर पालन, मशरूम उत्पादन, शहद उत्पादन, मसाला निर्माण, साबुन ,डिटर्जेंट, अगरबत्ती का निर्माण चौन फेंसिंग तार, फेंसिंग पोल बनाने के साथ ही दाल मिल, तेल मिल, मिनी राइस मिल सहित वनोपज प्रसंस्करण यूनिट आदि का संचालन कर रही हैं। इससे महिला समूह को अब तक 65 करोड़ 45 लाख रुपए की आय हुई है। गौठानों में गोबर से विद्युत उत्पादन की शुरुआत हो चुकी है। गोबर से नेचुरल पेंट बनाने के लिए प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं, इससे गावों में रोजगार और ग्रामीणों के आय में वृद्धि होगी।

पारंपरिक शिल्प कलाओं पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 23 मई से

रायपुर। संस्कृति विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ की पारंपरिक शिल्प व कलाओं पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 'आकार' का आयोजन 23 मई से किया जाएगा। यह प्रशिक्षण शिविर 13 जून तक चलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम सुबह 07 से 09 बजे तथा सायं 05 से 07 बजे तक दो पालियों में मंहत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर सिविल लाईन रायपुर में किया जा रहा है। गौरतलब है कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की पांरपरिक कला व विविध आयामों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा व्यापक प्रचार-प्रसार और लोगों में रूचि जागृत करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आकार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

संस्कृति विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि पांरपरिक कलाओं में प्रशिक्षण लेने के इच्छुक प्रशिक्षु, पंजीयन शुल्क 100 रूपए कार्यालय में जमा कर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। विकलांग एवं अनाथ आश्रम के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण शुल्क में छूट रहेगी। प्रशिक्षुकों को मधुबनी आर्ट, चित्रकला, रजवार भित्ती, नाटक, जापान पेपर कटिंग, क्ले आर्ट, पैरा आर्ट, ग्लास पेंटिंग, ड्राई फ्लावर मेंकिंग, धान ज्वेलरी मेकिंग, जूट शिल्य, फोक नृत्य, बोनसाई आदि विद्याओं में प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर में वाद्ययंत्रों की प्रदर्शनी लगायी जाएगी।

प्रशिक्षण शिविर से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए, संस्कृति एवं पुरातत्व, महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर रायपुर के कार्यालयीन समय पर संस्कृति शाखा से प्राप्त कर सकते हैं अथवा विभागीय E-mail : dept.culture@gmail.com o Website- www.cgculture.in से भी जानकारी का अवलोकन कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए आवेदन का प्रारूप भी क्ष्ूदसवंक किया जा सकता है। प्रशिक्षण पश्चात् प्रशिक्षुओं द्वारा निर्मित कलाओं को समापन दिवस के अवसर पर परिसर में प्रदर्शित किया जायेगा तथा प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। उक्त आयोजन में कोविड 19 के दिशा-निर्देशों का ध्यान रखा जाएगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

धाकड़ गर्ल कंगना रनोट पर्सनल लाइफ पर बोलीं

मेरी जिंदगी में वेकअप कॉल आ गया है

पद्मश्री एक्ट्रेस कंगना रनोट को फिल्म इंडस्ट्री में डेढ़ दशक से ज्यादा का अनुभव हासिल है। 20 मई को उनकी एक्शन जॉनर की फिल्म 'धाकड़' आ रही है। फिल्म की मेकिंग और बॉलीवुड का उनके प्रति 'एक्शन' पर उन्होंने अपने 'रिएक्शन' बेबाकी से रखे हैं।

'धाकड़' की शुरूआत कब हुई थी?

ये तो मेरे पास साल 2019 में आई थी। निर्माता सोहेल मकलई लेकर आए थे इसे मेरे पास। बहुत साल पहले मैंने उनकी फिल्म 'नॉक आउट' की थी। इरफान सर भी उसमें हमारे साथ थे। मेरे करियर की शुरूआत में ही सोहेल से मेरी बड़ी अच्छी दोस्ती हो गई थी। हालांकि धाकड़ को हां कहने में काफी वक्त लिया। डायरेक्टर नए हैं। मैंने इसके बारे में काफी सोचा। मुझे लगा कि नए फिल्ममेकर हैं। पता नहीं फिल्म की माउंटिंग क्या होगी?

किरदार अग्नि में कैसे खुद को ट्रांसफॉर्म किया?

दरअसल उन दिनों में जयललिता जी वाली 'थलाईवी' कर रही थी। वहां मैंने 20 किलो वेट गेन किया था। मैंने सोचा नहीं था कि मुझे 'धाकड़' की तरह की फिल्म ऑफर होगी। हालांकि करियर के शुरू में मुझे लगता था, खासकर जब मैंने 'फैशन' की थी। 'फैशन' के वक्त तो मैंने ट्रेनिंग भी बहुत की थी। 'फैशन' के वक्त मैं महज 17 से 18 साल की थी। फिर 'कृष' फ्रेंचाइजी में मेरे हिस्से में एक रोल आया। लिहाजा 'फैशन' और 'कृष' के वक्त मुझे लगता था कि फीमेल एक्शन फिल्म मेरे खाते में आ सकेगी। हालांकि तब मौका नहीं मिला। फिर जब 'थलाइवी' के वक्त मुझे वैसी फिल्मों की उम्मीद नहीं थी तो यह फिल्म मेरे पास चलकर आई।

बॉलीवुड में जो कथित तौर पर कैंप हैं, उनका सपोर्ट आउटसाइडरों के लिए तो अब भी कम ही नजर आ रहा है?

जिन कैंप की बात मैं सदा करती रही हूं, वो सामने वाले को खत्म करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। जैसे मेरी फिल्म आ रही है तो इसे इंडस्ट्री से कोई सपोर्ट नहीं है। उनका इरादा ये नहीं है कि फिल्में चलनी चाहिए। उनका मकसद है, जो वो चाहें, वो ही फिल्में चला करें। आलम ये रहा कि मिस्टर बच्चन ने मेरी फिल्म का ट्रेलर ट्वीट किया, मगर इमिडिएटली उन्हें डिलीट करना पड़ा।

जो लोग आप की फिल्मों को पब्लिकली सपोर्ट नहीं कर रहे, उनसे पर्सनली कभी किसी इवेंट में मिलना होता है तो वो क्या कहते हैं?

जहां मुझे बुलाया जाता है, वहां मैं जाती हूं। क्योंकि जैसा मैंने कहा, मुझे किसी का डर नहीं है। मेरा दिल भी साफ है। जो भी कोई मुझसे बात करना चाहे, वह कर सकता है। मैं वह 'कॉफी' के शो में भी गई थी। बात करने के लिए मैं हमेशा ही रेडी हूं। पर ये जो लोग हैं, वो मुझसे बात करने में डरते हैं। अगर मैं दिख जाऊं तो तितर-बितर होकर भाग जाते हैं। रास्ता बदल लेते हैं। खिसिया के नर्वस हो जाते हैं। खैर दोस्ती तो हमारी कभी नहीं थी।

अब यह उन पर प्रेशर था या कुछ और वह तो पता नहीं। लेकिन इतनी बड़ी हस्ती पर इतना बड़ा प्रेशर आ सकता है। या उन्होंने खुद ऐसा किया, वह हम नहीं बता सकते तो इस टाइम पर सोच सकते हैं कि कैंप वालों के दिमाग कहां चल रहें हैं?

बीते नवंबर में आपने कहा था कि आप हैप्पी स्पेस में हैं। साल 2023 में एक और शहनाई बजने वाली है?

बेशक आप सबों को वह सब बहुत जल्द पता चलेगा। यकीनन बरसों से मैंने अपनी पर्सनल लाइफ बहुत इग्नोर की है। हालांकि हर किसी की जिंदगी में वेकअप कॉल आता है कि भई अब अपने लिए भी जरा जी लो। काम के अलावा अपनी एक फैमिली बना लो। मैं भी वैसा करने की उम्मीद कर रही हूं। मेरे कॉल भी आ गया है।

सुशांत प्रकरण के बाद क्या ऑडिएंस बॉलीवुड के कुछ कलाकारों से नाराज हैं। शायद तभी उनकी हालिया फिल्में कम चलीं?

ये तो मैं नहीं कह सकती कि लोगों की किसी से नाराजगी है कि नहीं? मैं तो हालांकि खुल कर बोलती रही हूं कि इंडस्ट्री में जिस तरह से बर्ताव होता है, लोगों को जिस तरह से हैरेस किया जाता है। ऐसे में लोगों को नाराजगी तो होगी। वह इसलिए कि ये ऐसी फील्ड है, जहां पर 'वो' लोग रोल मॉडल बनकर उभरते हैं। सबको 'मोस्ट डिजायरेबल', 'हाईएस्ट पेड ' वाले प्रोपेगैंडा करते रहते हैं। मगर जैसे ही जवाब देने की बात आती है तो वो जवाबदेही तो लेनी होगी न। हालांकि 'वो' उसका भी जवाब नहीं दे पा रहे हैं। कोई भी अपने कंडक्ट का जवाब नहीं दे रहा कि किस तरह ग्रुप बाजी की जाती है कि बंदा आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाता है। या मुझ जैसों पर ढेरों केस किए जा रहे हैं, जिनका कोई मतलब नहीं है। या कोई मेरी फिल्मों के बारे में बात नहीं कर सकता। इन सब चीजों को दर्शक देख रहें हैं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

14 साल बाद शो को अलविदा कहने जा रहे हैं शैलेष लोढ़ा! पिछले एक महीने से नहीं की शूटिंग

तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के फैंस के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। 'दयाबेन' और अंजली भाभी के बाद 'तारक मेहता' का किरदार निभाने वाले शैलेष लोढ़ा शो से अलविदा कह सकते हैं। शैलेष शो में करीब 14 साल से काम कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने शो की शूटिंग भी बंद कर दी है। करीब एक महीने से शैलेष ने इस सीरियल की कोई शूटिंग नहीं की है। इस खबर से शो के फैंस काफी अपसेट हैं।

शैलेश 14 साल बाद शो को अलविदा कहने जा रहे हैं

रिपोर्ट के अनुसार, इस शो के चलते शैलेष अन्य कई सीरियल के ऑफर्स गंवा चुके हैं। लेकिन, अब वो अपने करियर को ध्यान में रखते हुए कुछ अच्छे मौके गंवाना नहीं चाहते हैं। इसीलिए उन्होंने सीरियल छोड़ने का इरादा कर लिया है। कहा जा रहा है कि शैलेष पिछले कुछ महीनों से शूटिंग पर नहीं आए हैं और आगे भी आने की उनकी कोई प्लानिंग नहीं है।

शैलेश ने नहीं किया ऑफिशियल अनाउंसमेंट

रिपट्र्स में आगे कहा जा रहा है कि शैलेष स्पष्ट रूप से अपने कॉन्ट्रैक्ट से नाखुश हैं। शैलेष मेकर्स के इस बात से भी नाखुश हैं कि वो उनकी डेट्स को सही तरीके से यूज नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि, अभी तक शैलेष और उनकी टीम की ओर से इस पर किसी भी तरह का ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है।

शैलेष को मनाने की कोशिश की जा रही है

सूत्रों का यह भी कहना है कि शैलेष को मनाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन शैलेष मानने को तैयार नहीं हैं। अगर शैलेष की सीरियल में वापसी नहीं हुई तो यह तीसरा चौंकाने वाला एग्जिट होगा। इससे पहले दिशा वाकानी (दयाबेन), नेहा मेहता (अंजली भाभी) और गुरु चरण शो को बाय-बाय कर चुके हैं।

अब तक ये कलाकार शो को अलविदा कह चुके हैं

सीरियल में इससे पहले दिशा वकानी (दयाभाभी), जिल मेहता (सोनू), निधि भानुशाली (सोनू), भव्य गांधी (टप्पू), मोनिका भदौरिया (बावरी), गुरुचरण सिंह (सोढ़ी), लालसिंह मान (सोढ़ी), दिलखुश रिपोर्टर (रोशन) सोढ़ी), नेहा मेहता (अंजली भाभी) शो को अलविदा कह चुके हैं। घनश्याम नायक (नट्टू काका) का पिछले साल निधन हो गया था। वहीं, कवि कुमार आजाद (डॉ. हाथी) का वर्ष 2018 में हार्ट अटैक से निधन हो चुका है।

असित मोदी ने पहली मुलाकात में ही शैलेष को कर दिया था शो ऑफर

शैलेष की बात करें तो उन्होंने टीवी पर सबसे पहले अपने करियर की शुरूआत सर्कस से की थी। इसके बाद उन्होंने कॉमेडी के महामुकाबला में भी शिरकत किया था। फिर वाह क्या बात है के लिए लाइव परफॉर्म के दौरान उन्हें पहली बार सेंट एंड्रयूज कॉलेज में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के डायरेक्टर असित मोदी ने देखा था। असित, शैलेष से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने पहली मुलाकात में ही शैलेष को अपने सीरियल में तारक मेहता का रोल ऑफर कर दिया था।

साउथ अभिनेत्री ने की आत्महत्या, वीडियो चैट के दौरान पंखे से लटकर लगाई फांसी

साउथ अभिनेत्री शेरिन सेलिन मैथ्यू का मंगलवार को निधन हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो केरल के एर्नाकुलम जिले के कोच्चि इलाके में रहने वाली 26 वर्षीय ट्रांसवुमन मॉडल अपने किराए के अपार्टमेंट में मृत पाई गईं। कथित तौर पर अभिनेत्री आत्महत्या करते वक्त जिस शख्स के साथ वीडियो चैट कर रही थीं, उसी शख्स ने पुलिस अधिकारियों को शेरिन के इस कदम की जानकारी दी। हालांकि जब तक पुलिस अधिकारी अभिनेत्री के घर पहुंची तब तक शेरिन पंखे से लटकर आत्महत्या कर चूंकी थी।

डिप्रेशन का शिकार थी शेरिन

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, शेरिन के करीबी लोगों ने इस बात की जानकारी दी है कि अभिनेत्री डिप्रेशन का शिकार थी और पिछले कुछ दिनों से उदास महसूस कर रही थी। पुलिस घटना के संबंध में शेरिन के करीबी दोस्तों का बयान दर्ज कर रही है। जांच प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को कलामास्सेरी मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

कौन थी शेरिन?

शेरिन ने कुछ मलयालम फिल्मों में अभिनय किया था और मॉडलिंग में सक्रिय थीं। कोच्चि में पिछले एक साल में ट्रांसजेंडर द्वारा आत्महत्या का यह पांचवां मामला है।

अर्जुन रामपाल से पहले फिल्मों में निगेटिव किरदार निभा चुके हैं बॉलीवुड के ये सुपरस्टार्स, तीन को तो मिल चुका है अवॉर्ड

बॉलीवुड के सुपरस्टार्स फिल्मों में अपनी सकारात्मक भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। फैंस भी उन्हें इन किरदारों में काफी पसंद करते हैं, लेकिन यही एक्टर्स जब अपने किरदारों के साथ प्रयोग शुरू कर देते हैं तो वह निगेटिव रोल करने से भी परहेज नहीं करते हैं। इसका ताजा उदाहरण अर्जुन रामपाल हैं। वह जल्द ही कंगना रणौत की फिल्म धाकड़ में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह निगेटिव रोल में हैं। अर्जुन से पहले भी कई बड़े सितारे हैं, जो फिल्मों में विलेन का किरदार निभा चुके हैं।

शाहरुख खान

बॉलीवुड के किंग यानी शाहरुख खान को रोमांस का बादशाह भी कहा जाता है। उन्हें एक्शन और कॉमेडी रोल्स में देखा जा चुका है। हालांकि उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दिनों में नकारात्मक भूमिकाएं भी निभाई हैं। उन्हें डर और अंजाम फिल्म के लिए आज भी याद किया जाता है। फिल्म अंजाम के लिए तो वह फिल्मफेयर अवॉर्ड भी जीत चुके हैं।

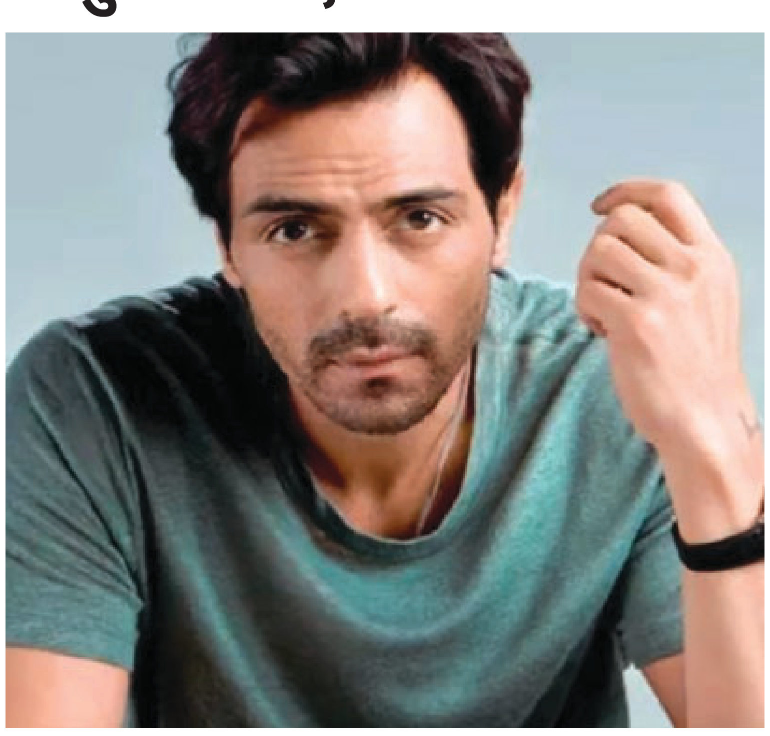

अक्षय कुमार

खिलाड़ी कुमार के नाम से मशहूर अक्षय को एक वर्सेटाइल एक्टर माना जाता है। फिल्मों में वह कॉमेडी से लेकर जबरदस्त एक्शन वाले रोल निभा चुके हैं। इसके अलावा वह अब्बास मस्तान की फिल्म अजनबी में विलेन के रोल नजर आ चुके हैं। फिल्म में उनके शानदार अभिनय की वजह से उन्हें फिल्मफेयर का अवॉर्ड भी मिल चुका है।

अजय देवगन

अजय देवगन बॉलीवुड के स्थापित अभिनेताओं में से एक हैं। उन्हें गंभीर किस्म की भूमिकाएं करने के लिए जाना जाता है। अपने बॉलीवुड करियर में अजय को फिल्म दीवानगी में नेगेटिव किरदार निभाने को मिला। फिल्म में उनकी शानदार एक्टिंग के लिए खूब तारीफ हुई।

सुनील शेट्टी

सुनील शेट्टी की गिनती बॉलीवुड के प्रतिभाशाली अभिनेताओं में होती है। अपने फिल्मी करियर में उन्होंने कॉमिक, एक्शन, रोमांटिक के साथ खलनायक के किरदार भी निभाए हैं। फिल्म धड़कन में ग्रे शेड भूमिका निभाने के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ खलनायक की श्रेणी में फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिल चुका है। इसके अलावा सुनील शेट्टी ने फिल्म 'मैं हूं ना' में भी नकारात्मक भूमिका अदा की थी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

जांजगीर की मेधावी छात्रा दीपाली का संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग ने किया सम्मान

जांजगीर-चांपा। जांजगीर चाम्पा जिले की मेधावी छात्रा कु. दीपाली सूर्यवंशी ने आज बिलासपुर संभागायुक्त डॉ संजय अलंग से सौजन्य मुलाकात की। कु.दीपाली ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा घोषित कक्षा दसवीं की प्रावीण्य सूची में पूरे राज्य में 8 वां स्थान हासिल कर जिले एवं संभाग का गौरव बढ़ाया है। उन्हें सभी विषयों में विशेष प्रावीण्यता के साथ 97.17 प्रतिशत अंक हासिल किये हैं। डॉ. अलंग ने गुलदस्ता एवं पदक से दीपाली का सम्मान किया और उनका मुंह मीठा कराया। उन्होंने दीपाली का कैरियर मार्गदर्शन करते हुए उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि कुमारी दीपाली अत्यंत गरीब परिवार से ताल्लुक रखती है। उनके पिता लखनलाल सूर्यवंशी राजमिस्त्री का काम कर परिवार का गुजर-बसर करते हैं। कु. दीपाली ने दसवीं की पढ़ाई सरस्वती शिशु मंदिर नैला-जांजगीर से पूर्ण की है।

जन-चौपाल में दिव्यांग अंजलि को मिला रोजगार

अम्बिकापुर । कलेक्टर संजीव कुमार झा एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनचौपाल में लोगों की समस्या सुनी। कलेक्टर ने इस दौरान लोगों से प्राप्त समस्या और मांगों से संबंधित 62 आवेदन का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। जनचौपाल में अम्बिकापुर गोधानपुर निवासी दिव्यांग सुश्री अंजलि सिन्हा ने शत प्रतिशत दिव्यांगता प्रमाणपत्र प्रदान करने और आजीविका के लिए रोजगार दिलाने की मांग की। कलेक्टर श्री झा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया।

जनचौपालः 108 लोगों ने बताईं अपनी समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जनचौपाल में आज जिले वासियों ने अपनी समस्याओं, शिकायतों और सुझावों को जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में आयोजित जनचौपाल में लोगों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित निदान के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने जन चौपाल में आए राशन, पेंशन, बिजली, आवास आदि की समस्याओं से संबंधित आवेदनों पर प्राथमिकता से कार्य करते हुए शिकायतों के त्वरित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। जनचौपाल में जिले के दूर दराज के इलाकों सहित शहरी क्षेत्रों से भी लोग कलेक्टोरेट पहुंचे। आज जन चौपाल में आज 108 लोगों ने कलेक्टर श्रीमती साहू को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। आज आयोजित जनचौपाल में जिला पंचायत के सी.ई.ओ. नूतन कंवर, ए.डी.एम. सुनील नायक, नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय सहित सभी विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

जन चौपाल में तहसील बरपाली के अंतर्गत ग्राम पकरिया के ग्रामीण शिव कुमार ने फौती, नामांतरण के अभिलेख दुरूस्तीकरण के लिए कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्रीमती साहू ने जनचौपाल में ही बरपाली तहसीलदार को पटवारी के माध्यम से तत्काल किसान के जमीन का मौका मुआयना कर अभिलेख दुरूस्तीकरण करवाने की कार्यवाही के निर्देश दिए। इसी प्रकार मुड़ापार निवासी श्री रघुवर प्रसाद साहू ने उनकी पुत्री कुमारी माधुरी साहू की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने पर विकलांगता पेंशन की मांग करने हुए कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किये। कलेक्टर श्रीमती साहू ने आवेदन पर संज्ञान लेते हुए जिला पंचायत सीईओ को आवेदन के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनचौपाल मे एक अन्य आवेदन मे ग्राम कटौद निवासी गनेशी बाई ने उनके पिता के मृत्यु पश्चात जमीन बटवारा के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए। इस पर कलेक्टर श्रीमती साहू ने तहसीलदार करतला को पटवारी के माध्यम से अभिलेखों की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनचौपाल मे आज तहसील करतला के अन्तर्गत ग्राम चिकनीपाली निवासी श्री उमेंद राम ने वन अधिकार पट्टा दिलाये जाने की मांग करते हुए कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किये। आवेदन पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर श्रीमती साहू ने आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश एसडीएम कोरबा को दिये।

बच्चे को निगम की गाड़ी से छुड़वाया गया घर, पेंशन कार्ड भी पहुंचा घर

निराश्रित पेंशन के लिए शिविर पहुंचे दिव्यांग बच्चे का 3 घंटे के अंदर हुआ निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। लोगों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए दुर्ग निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में जन समस्या समाधान शिविर आयोजित किया जा रहा है, जहां लोग अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन दे रहे हैं। आज विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त हरेश मंडावी ने निगम क्षेत्र सिकोला भाठा स्थित शासकीय स्कूल वार्ड 14, 15 व 16 के जन समस्या समाधान शिविर के स्थलों का निरीक्षण किया।

विधायक श्री वोरा व महापौर श्री बाकलीवाल ने इस दौरान कहा कि लोगों की छोटी-छोटी ऐसी समस्याएं जो त्वरित निराकरण योग्य है उसे प्राथमिकता के आधार पर तत्काल निगम द्वारा निराकृत किया जा रहा है, आम जनता को इस शिविर से काफी राहत मिल रही है। उन्होंने ये भी कहा कि इसके अलावा, राशन कार्ड, आधार कार्ड, पेंशन, पट्टा जैसे आवेदनों पर ऑन स्पॉट मौके पर निराकरण हो रहा है। शिविर में एक महिला अपने दिव्यांग बच्चे के साथ पहुची थी बच्चे की दिव्यांग पेंशन प्राप्त करने के लिए महिला कई साल से चक्कर काट रही थी जिसकी जानकारी मिलने पर निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने सम्बंधित विभाग को प्रकरण का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। जिस पर अमल करते विभाग द्वारा दिव्यांग बच्चें पेंशन प्रकरण का निराकरण किया गया और पेंशन कार्ड उसके घर पहुचाया गया। इससे पहले आयुक्त के निर्देश पर बच्चे को शिविर स्थल से उसके घर तक निगम की गाड़ी से घर भी पहुँचाया गया। आयुक्त श्री मंडावी ने बताया कि पट्टे से संबंधित प्राप्त आवेदनो को त्वरित सक्षम अधिकारी को निराकरण हेतु प्रेषित किया जा रहा है। दूसरे विभागों से संबंधित प्रकरण जो शिविर के माध्यम से प्राप्त होंगे उन्हें संबंधित विभागों में भेजकर उसकी सतत मॉनिटरिंग हो रहा है और उसकी जानकारी लेकर आवेदक को भी सूचित किया जा रहा है। आज नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 14, 15 एवं 16 शासकीय प्राथमिक स्कूल में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया था। आज दिनांक 17-05-2022 को कुल 87 आवेदन पत्र मांग एवं शिकायत समस्या संबंधी प्राप्त हुए जिसमे पट्टा से संबंधित 35 आवेदन पत्रों को सक्षम प्राधिकारी को त्वरित निराकरण हेतु प्रेषित किया गया। नया राशन कार्ड बनाने हेतु 11 आवेदन प्राप्त हुए जिन्हे खाद्य विभाग दुर्ग को प्रेषित किया गया। नये नल कनेक्शन हेतु 7 आवेदनो को संबंधित अधिकारी को मौके पर ही निराकृत करने हेतु निर्देशित किया गया एवं पेंशन संबंधित प्राप्त 9 आवेदनो पर उनके खाते में राशि जमा होने की सूचना मौके पर ही देखकर निराकृत किया गया।जन समस्या निवारण शिविर के निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य हमीद खोखर, वार्ड पार्षद,शंकर ठाकुर,पार्षद खिलावन मटियारा,श्रीमती उषा ठाकुर प्रमुख रूप से मौजूद थे।

बुधवार को इन केंद्रों में लगेंगे जन समस्या निवारण शिविर बुधवार दिनांक 18 मई 2022 को 57 एवं 58 उरला मुख्यमंत्री वार्ड कार्यलय में जन समस्या निवारण शिविर लगेगा, जहां अपनी समस्याओं को लेकर आम नागरिक आवेदन दे सकेंगे।

और समाधान पा सकेंगे,दिव्यांग बच्चे की पेंशन आवेदन का हुआ निराकरण,आयुक्त ने तत्काल निराकृत करने आदेश दिया।

कलेक्टर ने टॉपरों को अपने कुर्सी में बैठाकर किया सम्मान

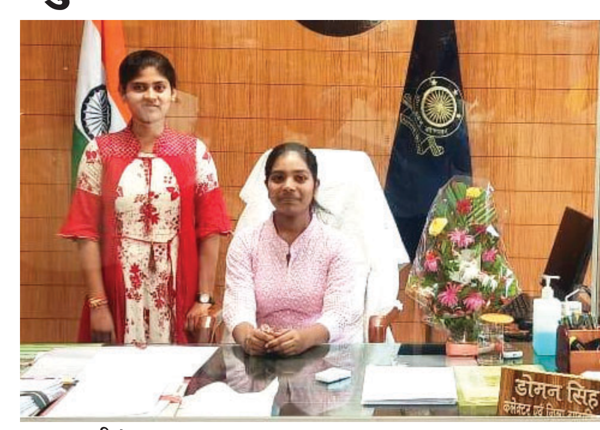

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के दो होनहार छात्रा कु. संजना वर्मा एवं कु.भावना साहू छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेंकेंडरी और हाई स्कूल परीक्षा में प्रदेश की मेरिट लिस्ट में जगह बनाये है। उन्हें आज कलेक्टर डोमन सिंह ने संयुक्त जिला कार्यालय में पुष्पगुच्छ एवं उपहार देकर सम्मान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए बधाई दी है। इस मौके पर कक्षा 12वी में दसवां स्थान पर आये कु. संजना वर्मा से कलेक्टर ने पूछा की आप आगे क्या बनना चाहती हो जिस पर संजना ने जवाब देते हुए कलेक्टर बनने की इच्छा जताई जिस पर कलेक्टर ने कहा चलो आज आप को उपहार स्वरूप कलेक्टर की कुर्सी में बैठाता हूं। कलेक्टर डोमन सिंह ने उन्हें अपने कक्ष में ले जाकर अपने कुर्सी में बैठाकर उनका उत्साह वर्धन किया। और कहा बेटी आगे पढ़कर इसी जगह में बैठना और अपने माता-पिता, गुरूजनों ,समाज एवं जिले का नाम रोशन करना। गौरतलब है कि कु.संजना वर्मा ग्राम हिरमी के ज्ञानोदय हायर सेंकेडरी स्कूल में अध्ययनरत् गणित संकाय छात्रा थी। उन्होनें कुल प्राप्तांक 500 में 471 अंक 94.20 प्रतिशत अर्जित कर पूरे राज्य में दसवां स्थान प्राप्त की है। इस तरह कु. भावना साहू ने 10वीं कक्षा में पूरे राज्य में आठवां स्थान प्राप्त कर जिलें का नाम रोशन किया है। वह भविष्य में डॉक्टर बनने की सपने को संजोय हुए आगे की पढ़ाई जीव विज्ञान विषय का चयन कर पढ़ना चाहती है। वह कसडोल नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में अध्ययनरत् थी।

उन्होने कुल 600 में 583 अंक प्राप्त कर 97.17 प्रतिशत प्राप्त कर आठवां स्थान पूरे राज्य में प्राप्त की है। इस मौके पर छात्रों क अभिभावक, अपर कलेक्टर राजेन्द्र गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ डॉ.फरिहा आलम सिद्की, जिला शिक्षा अधिकारी सी.एस.ध्रुव सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

चेम्बर के प्रतिनिधि मंडल ने डुमरतराई क्षेत्र में हुई लूटपाट के संबंध में महापौर एजाज ढेबर एवं प्रशांत अग्रवाल से मुलाकात की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी,विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि चेम्बर का प्रतिनिधि मंडल डूमरतराई क्षेत्र में व्यापारियों के साथ बढ़ रही लूटपाट एवं अपराधिक गतिविधियों की रोकथाम के लिये महापौर एजाज ढेबर एवं जिला पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल से मुलाकात की।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि कमल विहार से देवपुरी थोक सब्जी मंडी वाले मार्ग पर आए दिन व्यापारी लूटपाट का शिकार हो रहे हैं। कतिपय लोग उक्त स्थान पर सुनसान और रात के समय अकेले-दुकेले लोगों से मारपीट एवं लूटपाट करके घटना को अंजाम देते हैं जिससे समस्त व्यापारियों में रोष एवं भय व्याप्त है। व्यापारियों को भय के माहौल में अपना व्यापार करना पड़ रहा है।

श्री पारवानी ने शहर में व्यापारियों के प्रति बढ़ रही अपराधिक गतिविधियों और लूटपाट की घटनाओं को रोकने एवं उस पर त्वरित रूप से कार्यवाही करने हेतु महापौर एजाज ढेबर जी से मुलाकात कर स्ट्रीट लाईट और सीसीटीवी कैमरे लगवाने की मांग की। जिस पर महापौर एजाज ढेबर जी ने सकारात्मक रूख अपनाते हुए तत्काल संबंधित अधिकारियों को उचित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किये। श्री पारवानी ने उक्त घटना के सन्दर्भ में जिला पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर देवपुरी थोक अनाज मंडी में पुलिस चैकी स्थापित करने हेतु निवेदन किया तथा उक्त मार्ग पर पेट्रोलिंग बढ़ाने की मांग की तत्पश्चात डूमरतराई में लूट के पीड़ित व्यापारी श्री नरेंद्र खेत्रपाल से एम एम आई हॉस्पिटल जाकर चेम्बर प्रतिनिधि मंडल ने उनका हाल जाना एवं पूरी घटना का ब्यौरा लिया तथा एम एम आई हॉस्पिटल के निदेशक नवीन शर्मा से मिलकर पीड़ित के लिए विशिष्ट उपचार हेतु निवेदन किया। चेम्बर प्रतिनिधि मंडल द्वारा अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ने एवं कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने की मांग जिला पुलिस अधीक्षक महोदय से की गई। इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, उपाध्यक्ष महेश दरयानी, मंत्री-नीलेश मूंधड़ा, शंकर बजाज, प्रशांत गुप्ता, जवाहर थारानी, गोविंद माहेश्वरी, युवा चेम्बर महामंत्री कांति पटेल, युवा चेम्बर उपाध्यक्ष विपुल पटेल, विजय क्षत्री आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कक्षा 10वीं के बाद विषय चयन में मदद कर रहा है हेल्पलाईन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद छात्रों के कैरियर मार्गदर्शन में हेल्पलाईन प्रारंभ किया गया है। हेल्पलाईन में परीक्षा से संबंधित समस्याओं का समाधान विशेषकर कक्षा 10वीं के बाद 11वीं में विषय चयन के लिए छात्रों के संशय की स्थिति को दूर किया जा रहा है।

हेल्पलाईन समन्वय सहायक प्राध्यापक श्री प्रदीप कुमार साहू के नेतृत्व में मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, कैरियर कौउंसलर द्वारा परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम के भय से होने वाले तनाव का प्रबंधन और आगामी कक्षा में विषयों के चयन के संबंध में परामर्श (कैरियर कौउंसलिंग) मनोचिकित्सक एवं मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. स्वाति शर्मा एवं सुश्री एन. कुरियन तथा सहायक प्राध्यापक श्रीमती प्रीति शुक्ला एवं श्रीमती अलका दानी की उपस्थिति में समस्या का समाधान व कैरियर कौउंसिलिंग किया गया।

हेल्पलाईन का संचालन माध्यमिक शिक्षा मंडल के उप सचिव श्री जे.के अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। हेल्पलाईन की सुविधा का लाभ छात्र-छात्राओं और पालकों के द्वारा किया जा रहा है।

रोजगार स्थापित करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

अम्बिकापुर। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सरगुजा के महाप्रबंधक ने बताया है कि उनके विभाग द्वारा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए शिक्षित बेरोजगार युवक/ युवतिया जो रोजगार स्थापित करना चाहते हैं। उनसे आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। महाप्रबंधक ने यह भी बताया है कि योजना के तहत व्यापार, सेवा एवं उद्योग इकाई की स्थापना के लिए राष्ट्रीकृत बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने का प्रावधान है।

खास-खबर

फांसी की सजा को हाई कोर्ट ने बदला आजीवन कारावास में

बिलासपुर (ए)। अपने ही दो बच्चों की हत्या के दोषी अपीलकर्ता की फांसी की सजा को हाई कोर्ट ने आजीवन कारावास में बदल दिया है। अब अपीलकर्ता अपना बाकी जीवन जेल में रहकर गुजारेगा। अपराध की प्रकृति को देखते हुए भविष्य में फिर ऐसा अपराध न किया जाए, इसे देखते हुए अदालत ने यह निर्णय किया है। अपीलकर्ता डोलालाल को अपर सत्र न्यायाधीश सरायपाली ने मृत्युदंड दिया था। सजा की पुष्टि के लिए प्रकरण हाई कोर्ट भेजा गया। साथ ही डोलालाल की अपील पर भी सुनवाई हुई। 25 और 26 जनवरी 2017 को ग्राम कायतपाली, पुलिस थाना बसना अंतर्गत पूरन सिदार के खेत के पास, अपीलकर्ता ने अपने बेटे शुभम, उम्र लगभग आठ वर्ष और बेटी जैस्मीन उर्फ सोनिया, नौ साल की कुदाल (रापा) से सिर काटकर हत्या कर दी थी। कुदाल और आरोपी का शाल घटना स्थल से बरामद हुआ। आरोपित डोलालाल अपने गांव और घर से फरार पाया गया। स्वजनों से पूछताछ के बाद सरायपाली पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसके कपड़ों पर खून के धब्बे पाए गए। प्रकरण की सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय के. अग्रवाल व जस्टिस रजनी दुबे की डिवीजन बेंच ने जेल अधीक्षक रायपुर की रिपोर्ट देखी। इसमें उसका आचरण संतोषजनक पाया गया। अपीलकर्ता का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है, हालांकि उसने अपराध किया है।

आपराधिक मामला एवं विभागीय जांच नहीं चल सकते एक साथ

बिलासपुर (ए)। जांजगीर-चांपा जिले में पदस्थ आरक्षक नारद ताम्रकर के खिलाफ जांजगीर में धारा 506, 509 (बी) एवं आटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है। इस मामले में उन्हें निलंबित कर दिया गया है। पांच मार्च 2021 को पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा द्वारा इन्हीं समान आरोपों पर नारद ताम्रकार के विरुद्ध आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई। इस पर क्षुब्ध होकर आरक्षक द्वारा हाई कोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पांडेय एवं दीपिका सन्नाट के माध्यम से हाई कोर्ट बिलासपुर के समक्ष रिट याचिका दायर की गई। अधिवक्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देकर आदेश निरस्त करने की मांग की। हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता के विरुद्ध चल रही विभागीय जांच कार्यवाही पर स्थगन करते हुए पुलिस अधीक्षक को यह निर्देशित किया गया कि वे याचिकाकर्ता के विरुद्ध किसी प्रकार की विभागीय कार्यवाही न करें।

बिलासपुर में सूने मकान का ताला खोलकर सोने के जेवर पार

बिलासपुर (ए)। सूने मकान का ताला खोलकर चोरों ने सोने के जेवर पार कर दिए। इस दौरान मकान मालिक अपनी दुकान में थीं। दोपहर में घर लौटने पर उन्हें चोरी की जानकारी हुई। पीड़िता ने इसकी शिकायत सिरगिट्टी थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही है। सिरगिट्टी के आदर्श नगर में रहने वाली सूची शर्मा किराना दुकान चलाती हैं। सोमवार की सुबह 10 बजे वे अपनी दुकान भवानी नगर चली गईं। मकान में उनकी बड़ी बहन स्र्चि शर्मा अकेली थी। बिजली बंद होने पर उन्होंने 11 बजे सूची को फोन कर बताया। इस पर उन्होंने बहन को भी दुकान में बुला लिया। दोपहर दो बजे दोनों बहन अपने घर गईं। इस दौरान उनके गेट में ताला लगा था। मकान के मुख्य दरवाजे पर चाबी लटकी हुई थी। दरवाजा खोलकर वे अंदर गईं तो कमरे में सामान बिखरा हुआ था। कमरे में रखी आलमारी से सोने की चेन, सोने की लटकन, सोने का टाप्स व अंगूठी गायब थे। पीड़िता ने घटना की शिकायत सिरगिट्टी थाने में की। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

रफ्तार की मारः बाइक सवार दो एमआर को ट्रेलर ने मारी टक्कर, दोनों ने दम तोड़ा

अंबिकापुर (ए)। बनारस रोड में अंबिकापुर से करीब 20 किमी दूर मंगलवार को सोनगरा जंगल के केंदली नाले के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार दो युवकों को चपेट में ले लिया। तेज टक्कर से दोनों सड़क पर गिरे और गंभीर चोट आने से एक की मौके पर ही मौत हो गई। इस बीच आसपास के लोगों ने पुलिस की मदद से एंबुलेंस में दूसरे घायल को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए, लेकिन वहां पहुंचने से पहले दूसरे ने भी दम तोड़ दिया। डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में 26 वर्षीय योगेश राजवाड़े व 22 वर्षीय कमल कुशवाहा शामिल हैं। दोनों अलग-अलग दवा कंपनियों में एमआर का काम करते थे और दरिमा थाना अंतर्गत ग्राम करजी शिवपुर के रहने वाले थे। सुबह योगेश व कमल एक ही बाइक में अंबिकापुर से काम के सिलसिले में भटगांव जाने के लिए निकले थे। घटना से उनके परिवार में मातम पसर गया है। हादसे के बारे में पता चलने पर इनके परिजन व अन्य साथी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे थे।

कमल खुद चलकर एंबुलेंस में बैठे मांगकर पानी भी पिया था

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि टक्कर के बाद योगेश की मौके पर ही मौत हो गई थी और कमल को चोट आई थी। वह बातचीत कर रहा था। आसपास के लोग पहुंचे तो उनसे वह पानी मांग कर पिया। तब तक एंबुलेंस भी आ गई। वह खुद को ठीक महसूस कर रहा था। एंबुलेंस तक वह खुद चलकर पहुंचे और जाकर अंदर बैठ गए, लेकिन रास्ते में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई थी।

अलग-अलग कंपनियों से थे दोनों

योगेश एमआर का काम लंबे समय से कर रहे थे, जबकि कमल ने करीब एक माह पहले ही यह काम शुरू किया था। एक ही गांव से होने के कारण कमल व योगेश सोमवार को एक साथ बाइक से अंबिकापुर पहुंचे। यहां से करीब 11 बजे कंपनी के काम के सिलसिले में एक ही बाइक पर दोनों भटगांव जाने के लिए निकले थे। कमल की अभी शादी भी नहीं हुई थी।

केंदली पुलिया सीधा फिर भी आए दिन यहां होती है दुर्घटना

बनारस रोड में सोनगरा जंगल के केंदली पुलिया सीधी व सपाट है। फिर यहां अक्सर हादसा होता है और हर साल कई जाने जाती है। माना जाता है कि सड़क सीधे होने से वाहनों की रफ्तार अधिक होती है। इससे पुलिया के पास हादसे होते हैं। बताया गया है कि आज के हादसे की वजह भी तेज रफ्तार ही थी। ट्रेलर तेज रफ्तार में पीछे तरफ से आया और बाइक सवारों को टक्कर मारते हुए आगे निकल गया।

खदान के कारण सड़क पर पूरे दिन भारी वाहनों की आवाजाही

भटगांव के लटोरी व केरता में एसईसीएल की खदानें हैं। यहां से कोयला लेकर ट्रेलर, हाईवा डंपिंग यार्ड तक आती जाती है। महान दो से निकलने वाला कोयला केंदली होते हुए ही आगे जाता है। इससे केंदली से भटगांव तक कोयला लोड भारी वाहनों की चौबीसों घंटे आवाजाही रहती है। ज्यादा ट्रिप करने के चक्कर में इनकी रफ्तार पर भी कोई लगाम नहीं रहता है। इससे हादसे भी अक्सर यहां होते रहते हैं।

ब्लैकमेल करने का मामला

महिला ने शादी का फर्जी प्रमाण-पत्र बनवा युवक को फंसाने की धमकी दी

अंबिकापुर (ए)। शहर के नमनाकला इलाके के एक युवक से बिलासपुर में एक मैरिज ब्यूरो में काम करने वाली युवती ने शादी का फर्जी प्रमाण-पत्र बनवा लिया। इसके बाद युवती रुपए एंठने के लिए युवक महेंद्र को ब्लैकमेल करने लगी। उसने युवक के साथ एक फोटो भी धोखे में शूट करा लिया था। युवती से युवक की पहचान उस समय हुई थी, जब उसने अपनी बहन की शादी के लिए मैरिज ब्यूरों में बायोडेटा दिया था।

बायोडेटा में युवक ने अपना मोबाइल नंबर दिया था। इसी से युवती से उसकी पहचान हुई थी। इस काम में युवती ने अपनी एक सहकर्मी की भी मदद ली। रुपए नहीं देने पर युवती द्वारा युवक को रेप के केस में फंसाने की धमकी दी जाती थी। इससे परेशान युवक ने मामले में रिपोर्ट की। पुलिस ने मैरिज ब्यूरो में काम करने वाली युवती व उसके महिला सहकर्मी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

यात्रा के दौरान युवक के साथ युवती ने ली फोटो

पुलिस ने बताया कि मैरिज ब्यूरो में काम करने वाली युवती से पीडित युवक का सितंबर के आसपास बातचीत शुरू हुई। इसके बाद बहन की शादी के सिलसिले में वह मैरिज ब्यूरो में फोन करता या फिर उधर से मैरिज ब्यूरों में काम करने वाली युवती उसके पास फोन करती। इसी से दोनों में बातचीत होती थी। इस बीच युवक किसी काम के सिलसिले में उज्जैन जा रहा था। पता चलने पर मैरिज ब्यूरो में काम करने वाली युवती व उसकी सहेली भी उज्जैन पहुंचे। इसी दौरान युवती ने अपनी सहेली के जरिए युवक के साथ अपनी एक फोटो ट्रेन में खिंचवा ली।

फोटो के जरिए युवती ने युवक के साथ शादी का एक प्रमाण पत्र भी फर्जी तैयार करवा लिया। इसके बाद से ही वह युवक को ब्लैक मेल करना शुरू की। पहले तो युवक ने मजाक में लिया लेकिन बाद में युवती उससे रुपए की मांग करने लगी और नहीं देने पर दुष्कर्म के केस में फंसवाने की धमकी देने लगी। इसके बाद युवक ने पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शादी का प्रमाण-पत्र फर्जी पाया गया है। उसका कहीं पंजीयन ही नहीं है।

बनना था सार्वजनिक शौचालय, बना लिया मकान

भिलाई निगम की टीम ने तोड़फोड़ कर किया ध्वस्त, निरीक्षण के लिए पहुंचे थे अफसर

भिलाई (ए)। नगर पालिका निगम भिलाई की राजस्व विभाग की टीम ने अवैध कब्जा धारकों के खिलाफ कार्रवाई करना शुरू कर दी है। मंगलवार को भी टीम ने कई जगहों पर कब्जा तोड़ने की कार्रवाई की और कई जगहों को चिह्नांकित किया है। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने पाया कि मदर टेरेसा वार्ड में सार्वजनिक शौचालय की जमीन पर कब्जा कर वहां मकान बनाया जा रहा है। निगम का राजस्व अमला अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने जोन 3 अंतर्गत मदर टेरेसा नगर वार्ड पहुंचा था। यहां टीम ने संतोषी पारा में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई की। निगम के अधिकारियों ने पाया कि जिस जगह पर संतोषी पारा में सार्वजनिक शौचालय बनाया जाना था, उस जगह पर एक व्यक्ति बाउंड्रीवाल बनाकर मकान का निर्माण शुरू किया था। निगम अमले ने उसे तोड़फोड़ कर बेदखली की कार्यवाही की। जोन 3 के सहायक राजस्व अधिकारी मलखान सिंह सोरी ने बताया कि जोन आयुक्त येशा लहरे के निर्देश पर अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ कार्यवाही की गई। वार्ड 25 संतोषी पारा पारा में वार्ड के नागरिकों की मांग के अनुरूप सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया जाना है। इसकी स्वीकृति व अन्य विभागीय प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जब स्थल निरीक्षण करने अधिकारी पहुंचे तो वहां किसी का बाउंड्रीवाल पाया। अतिक्रमण करने वाला व्यक्ति यहां मकान का निर्माण कर रहा था। इसके बाद राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उस बाउंड्रीवाल को तोड़ा गया।

केंद्रीय टीम की कार्रवाईः धूम्रपान फ्री जोन घोषित जिले में मिला अमानक तंबाकू का भंडार

अंबिकापुर (ए)। शहर समेत सरगुजा को तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत धूम्रपान फ्री जोन की श्रेणी वाला क्षेत्र शासन द्वारा घोषित किया गया है और यहीं पर अमानक तंबाकू का जखीरा सामने आया है। मंगलवार को इसका खुलासा तब हुआ जब कोटपा की केंद्रीय टीम ने बिना किसी सूचना के शहर में दबिश देकर दुकानों में जांच की।

थोक व फुटकर दुकानों में ऐसे सिगरेट व अन्य तंबाकू वाले उत्पात बेचते मिले, जो कोटपा के नियमों के तहत अवैधानिक थे। पैकेट में लगने वाली फोटो व लोगो आदि पुराने थे। कुंडला सिटी स्थित एक थोक दुकान में तो सैकड़ों पैकेट से पुराने सीरिज वाले सिगरेट के पैकेट मिले, जिनपरं वैधानिक चेतावनी प्रिंटेड फोटो व संदेश थे।

सेंट्रल टीम ने सभी उत्पाद जब्त कर लिए हैं। इसके अलावा सार्वजनिक जगहों पर सिगरेट पीते 10 लोगों पर कार्रवाई करते हुए टीम ने जुर्माना किया है। कार्रवाई से तंबाकू के कारोबार से जुड़े व्यवसायियों में हडकंप मचा गया है। कलकत्ता से आई सेंट्रल टीम में नार्थ इस्ट जोन रिजनल हेड टोटोन चक्रवर्ती, अनिरबन हथी, सीनियर इन्वेस्टिगेशन, राजीव मंडल, प्रदीप घोष शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान स्वास्थ्य व पुलिस विभाग के स्थानीय अधिकारी डीएसपी डॉ. प्रशांत देवांगन, डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता, नवीन सिंह, हनी गोटलीब, प्रशांत कश्यप, गोपी दूबे, खाद्य व औषधि विभाग से रमिला भगत, अनिल पैकरा, उपस्थित थे।

अभियान फिर से तेज कर सख्त कार्रवाई करेंगे

इस संबंध में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रशासन के प्रयास ने एक अभियान चलाकर जिले में कोटपा एक्ट के तहत लोगों को जागरूक किया गया है। बीच में कार्रवाई थोड़ी कम हो गई। संभव है इससे लोग नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। हम फिर से शहर सहित जिले में अभियान चलाएंगे नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करेंगे।

कारखानों में श्रमिकों की हादसों में हुई मृत्यु की पुलिस कर रही है जांच

विवेचना पूर्ण होने के बाद होगी गिरफ्तारी

रायपुर। राजधानी रायपुर अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में स्थित कारखानों में विगत दिनों हुए हादसों में श्रमिकों की मृत्यु के मामले में प्रकरण दर्ज कर राजधानी पुलिस जांच की कार्यवाही कर रही हैं। विवेचना के उपरांत संबंधित आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

पुलिस उप महानिरीक्षक रायपुर रेंज के अधिकारियों ने बताया कि 02 मई से 08 मई के बीच राजधानी रायपुर अंतर्गत अलग-अलग कारखानों एवं कंपनियों में श्रमिकों-कामगारों की मौत अथवा घायल हो गये थे। अधिकारियों ने बताया कि 02 मई को सिलतरा स्थित नंदन स्टील्स में मैंनेनेंस का काम कर रहे रांवाभाठा निवासी थानू साहू की गैंस पाईप लाईन फटने से इलाज के दौरान मौत हो गई वहीं राजेश मेश्राम की इलाज जारी है। इस हादसे पर मर्ग कायम कर भारतीय दण्ड विधान कंपनी प्रबंधन के विरूद्ध विवेचना किया गया है। जांच उपरांत जिम्मेदारी तय कर संबंधित आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी।

इसी प्रकार तीन मई को धनक स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड सिलतरा में वाहन जेसीबी के टायर में हवा भरते समय टायर फटने से लोहा के डिस्क से उछलकर खम्हरिया, कोटा निवासी राजपाल सिंह की मौके पर ही और प्राजन नामदेव की मृत्यु इलाज के दौरान हो गई थी। 04 मई को एपी आईस्पात कंपनी सिलतरा में संजय शर्मा की गर्म मेटल का वालाईन पाईन के ऊपर गिरकर पाईप फटकर सुलझने से इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। 5 मई को अग्रवाल स्पंज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी सिलतरा के शहडोल निवासी विजय सिंह का कंपनी के ही लोडर वाहन चालक के वाहन से ठोकर खाकर इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वहीं 5 मई को ही नकोड़ा इस्पात लिमिटेड कंपनी सिलतरा में बिरगांव निवासी मुन्ना सिंह का कार्य समाप्ति के बाद ठंडा पानी पीने के बाद सिने में दर्द होने से इलाज के दौरान मौत हो गई। 8 मई को देवी स्पंज आयरन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी टाडा में धरसींवा निवासी देवेन्द्र कुमार साहू का ब्रेकर मशीन से दिवाल तोड़ते समय अचानक उनके ऊपर दिवाल गिर जाने से इलाज के दौरान मृत होना बताया गया। इन घटनाओं पर भारतीय दण्ड विधान कंपनी के विरूद्ध विवेचना में लेकर कार्यवाही की जा रही है। जांच कार्यवाही के बाद संबंधित आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

बारिश पूर्व नाला सफाई का जायजा लेने निचली बस्तियों में पहुंचे निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त प्रकाश सर्वे आज नाला सफाई का जायजा लेने के लिए सुबह-सुबह निचली बस्ती पहुंचे। पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास उन्होंने नाला सफाई का जायजा लिया, उन्होंने निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जितने भी जलभराव वाले क्षेत्र हैं उन्हें चिन्हित करके, ऐसे क्षेत्रों में नाला और नालियों की सघन सफाई कराएं। आयुक्त ने ओड़िया मोहल्ला का भी इस दौरान निरीक्षण किया और पेयजल व्यवस्था की भी जानकारी ली। सफाई और पानी को लेकर उन्होंने मोहल्ले के कुछ लोगों से चर्चा की और महिलाओं से भी फीडबैक लिया। लाइट ऑफ होने के समय प्रात: 6:30 बजे निगमायुक्त मोहल्ले में पेयजल को लेकर पहुंचे थे। वही जब आयुक्त को जानकारी हुई कि मॉडल टाउन पंचमुखी मंदिर के पास में किराना दुकान के द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग किया जा रहा है तब उन्होंने इस पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए, हालांकि मोहल्ले के निरीक्षण के दौरान भी लोगों ने प्लास्टिक, डिस्पोजल की शिकायत आयुक्त से की थी। निगमायुक्त सर्वे ने तत्काल सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई करने टीम को निर्देशित किया। टीम ने दो दुकानों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 3000 रुपए जुर्माना वसूल किया। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल ने बारिश पूर्व नालों की सफाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हुए हैं।

प्रार्थी के आवेदन पर कोर्ट ने दिया आदेश, 3 करोड़ 5 लाख रुपए लेकर नहीं पूरी की इकारनामे की शर्त

सागर इंटरनेशनल के मालिक और बेटी पर 420 सहित छह धाराओं पर मामला दर्ज करने का आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । दुर्ग के होटल सागर इंटनरेशनल के मालिक विजय अग्रवाल और उनकी बेटी रूही अग्रवाल पर भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के साथ धोखा करता है, छल करता है, बेईमानी से किसी दूसरे व्यक्ति की बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति में परिवर्तन करता है) सहित 418 (जो कोई इस ज्ञान के साथ छल करेगा कि यह सम्भाव्य है कि वह तद्द्वारा उस व्यक्ति को सदोष हानि पहुंचाए) 415 (जो भी कोई किसी व्यक्ति को धोखा दे कर उस व्यक्ति को, जिसे इस प्रकार धोखा दिया गया है, कपटपूर्व या बेईमानी से उत्प्रेरित) 406, 405 एवं 383 (ज़बरदस्ती वसूली), 120 बी (34) के तहत मामला दर्ज होगा।

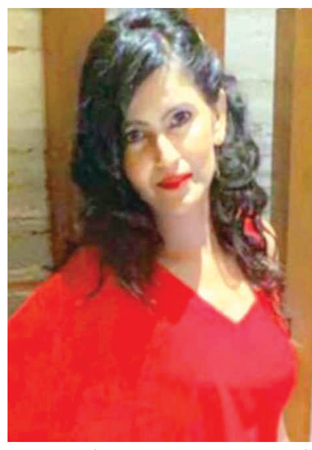

आरोपियों को 20 मई को कोर्ट में उपस्थित होने के भी आदेश दिए हैं। दरअसल विजय अग्रवाल ने अपनी बेटी रूही के पति निमिष अग्रवाल और ससुराल वालों के खिलाफ बेटी को प्रताड़ित किए जाने और दहेज मांगे जाने पर मामला दर्ज कराया था।

इससे बाद दोनों पक्ष में राजीनामा हो गया। जिसमें विजय अग्रवाल और रूही अग्रवाल ने 3 करोड़ 5 लाख रुपए लेकर समझौता करने का इकरारनामा भी किया। रूही के पति निमिष अग्रवाल और उनके पिता सुनील अग्रवाल ने डिमांड डॉफ्ट के जरिए 10 अगस्त 2016 को उक्त राशि उन्हें दी। लेकिन जब अपराध वापस लेने की बात आई तो विजय अग्रवाल और उनकी बेटी ने मामला वापस लेने से इंकार कर दिया। पूर्व में हुए इकरारनामे और दी गई रकम के दस्तावेजों को पेश कर सुनील अग्रवाल और उनके बेटे ने कोर्ट में मानसिक प्रताडऩा और छलपूर्वक रकम वसूलने पर उनके खिलाफ अपराध दर्ज करने की अपील की थी।

इकरारनामे के बाद भी जब हाईकोर्ट में मामला वापस लेने का समय आया तो रुही ने न्यायालय में यह कहा कि उससे दबावपूर्वक इकरारनामे में हस्ताक्षर कराया गया। हकीकत यह है कि इकरार नामा दो गवाहों की उपस्थिति में नोटरी के समक्ष किया गया था। इसके अनुसार विवाद को हिन्दू विवाह अधिनियम के तहत आपसी सहमति से समाप्त करना था। विजय अग्रवाल एवं रुही ने आरोपी के पिता के समधी से रकम के बराबर का चेक लेने के बाद ही उन्हें जमानत पर रिहा करवाया था. इसके लिए रूही ने बाकायदा अदालत में शपथपत्र प्रस्तुत किया था। शर्तों के मुताबिक सुनील अग्रवाल ने जब पूरी राशि डिमांड ड्राफ्त द्वारा उन्हें सौंप दी तब जाकर उन्होंने पलटी मार दी। विजय अग्रवाल और रूही अग्रवाल ने संभवत: पहले ही तय कर लिया था कि वह इकरारनामा को नहीं मानेंगे फिर भी इकरारनामा की आड़ में रक़म ली। यह सब सोची समझी साज़िश में पैसे ऐठने का षड्यंत्र और ससुराल को दुखी करनी की मंशा से किया गया है। देश में बढ़ते हुए ससुराल के विरुद्ध फ़र्ज़ी मामले का एक और उदाहरण हो सकता है। रकम लेने के बाद शर्तो का उल्लंघन कोर्ट की अवमानना है।

आयुक्त प्रकाश सर्वे एवं एमआईसी मेंबर संदीप निरंकारी ने खुद बैठकर लोगों की समस्याओं का किया समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम के महापौर नीरज पाल के निर्देश पर जन समस्या निवारण शिविर में लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज वार्ड क्रमांक 5 कोसा नगर के सांस्कृतिक भवन में लोग बड़ी संख्या में अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन करने पहुंचे थे। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे एवं एमआईसी मेंबर तथा स्थानीय वार्ड पार्षद संदीप निरंकारी इस दौरान लोगों की समस्याएं सुन रहे थे और त्वरित निराकरण योग्य आवेदनों का निराकरण कर रहे थे। आवेदन करने के लिए कुछ पेंशन के हितग्राही बबली कोरी, सुशीला देवी, ललिता गायकवाड, शांति बाई विश्वकर्मा एवं चंपा बाई भी शिविर में पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि कुछ समय से उन्हें पेंशन प्राप्त नहीं हो रहा है इसके लिए शिविर में आवेदन देने पहुंचे हैं, निगम आयुक्त के निर्देश और एमआईसी मेंबर की सक्रियता से इन सभी को अगले माह से पेंशन मिलना प्रारंभ हो जाएगा, यह सभी हितग्राही विधवा पेंशन, सुखद सहारा पेंशन एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन को लेकर शिविर में पहुंचे थे। शिविर में पानी, सफाई, पेंशन, बिजली, पट्टा आदि समस्याओं को लेकर लोगों के द्वारा आवेदन किया जा रहा है। ऐसे आवेदन जो त्वरित निराकरण योग्य हैं उनका समाधान शीघ्रता के साथ किया जा रहा है। कोसा नगर के अलावा आज वैशाली नगर संस्कृतिक भवन, संतोषी पारा कैंप 2 वार्ड कार्यालय, वार्ड क्रमांक 41 औद्योगिक क्षेत्र छावनी के सामुदायिक भवन एवं सेक्टर 5 वार्ड क्रमांक 60 के सत् विजय ऑडिटोरियम में शिविर का आयोजन किया गया था।

नेवई बस्ती में बनेगी 19 लाख की सड़क

प्रदेश महामंत्री व महापौर ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नेवई बस्ती वार्ड 33 में 19 लाख की लागत से सीसी रोड व टाउनशिप क्षेत्र वार्ड 11 मरोदा सेक्टर में बैडमिंटन कोर्ट 3 लाख की लागत से बनाया जाएगा। मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जितेन्द्र साहू, महापौर शशि सिन्हा व सभापति केशव बंछोर ने भूमिपूजन किया।

महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि निगम गठन के पूर्व क्षेत्र में विकास कार्य शून्य था। वर्तमान में गृहमंत्री के मार्गदर्शन में रिसाली नया आयाम गढ़ रहा है।

पीसीसी महामंत्री व महापौर ने पूजा अर्चना कर वार्ड 33 नेवई बस्ती पूर्व में 19 लाख के लागत से सीसी रोड बनाने भूमिपूजन किया। वही मरोदा सेक्टर वार्ड 11 में बैडमिंटन कोर्ट बनाने नारियल तोड़ा गया। इस अवसर पर पार्षद व एमआईसी सद्स्य परमेश्वर, विलास राव बोरकर, सनीर साहू समेत जानकी रमैय्या, अजय मिश्रा, मुकेश साहू, राजेश ठाकुर, भूपेन्द्र बेलचंदन, शत्रुहन धनकर आदि उपस्थित थे।

स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल के रूप में अपग्रेड करें

पटरीपार में बेहतर शिक्षा के लिए व्यवस्था करना आवश्यक : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला मुख्यालय दुर्ग में आज भी ऐसा स्कूल है जहां छोटे.छोटे बच्चे कभी भी स्कूल भवन ढहने के खतरों के बीच पढ़ाई कर रहे हैं। 1918 में प्रारंभ सिकोलाभाठा स्कूल में करीब 2 सौ बच्चे पढ़ते हैं। स्कूल भवन काफी जर्जर है। बीच.बीच में कई बार प्लास्टर करते हुए मरम्मत कराया गया लेकिन हालत जस की तस है। जर्जर भवन से प्लास्टर गिरने के खतरे और दहशत के बीच

पटरीपार के स्टूडेंट अपना भविष्य गढ़ रहे हैं। विधायक अरुण वोरा ने हाल ही में इस स्कूल के कंडम होने का जिक्र करते हुए स्वामी आत्मानंद हिंदी मीडियम स्कूल के रूप में अपग्रेड करने शासन से मांग की है। इस संबंध में वोरा ने कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे से भी चर्चा की है। विधायक के साथ मौके पर मौजूद नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने बताया कि स्कूल भवन के लिए 42 लाख रुपए का प्रस्ताव तैयार किया गया है। वोरा ने कहा कि स्कूल भवन को नए सिरे से बनाकर स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल प्रारंभ किया जाना चाहिए। वार्ड पार्षद शंकर ठाकुर ने कहा है कि स्कूल भवन में हादसा होने से पहले ही भवन का निर्माण नए सिरे से होना चाहिए। भवन जर्जर होने के कारण छोटे बच्चों समेत स्कूल स्टाफ के साथ दुर्घटना की स्थितियां टाली जानी चाहिए। निरीक्षण के दौरान महापौर धीरज बाकलीवाल, एमआईसी मेंबर हमीद खोखर, संजय कोहले भी मौजूद थे। वोरा ने स्कूल परिसर में आयोजित जन समस्या समाधान शिविर में आए नागरिकों से मुलाकात की और समस्याओं का जायजा लिया। वोरा ने कहा कि सबसे ज्यादा मांगें भूमि के पट्टे को लेकर है। नागरिकों की मांग के मद्देनजर तत्काल पट्टा वितरण व नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिए। वोरा ने बताया कि शिविर में आंगनबाड़ी भवन न होने की जानकारी दी गई।

जहां बनना है सार्वजनिक शौचालय वहां पर कर रहे थे अतिक्रमण निगम के राजस्व विभाग की टीम ने की तोड़फोड़ की कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत अवैध कब्जा करने वालों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है, जोन 03 मदर टैरेसा नगर क्षेत्र में निगम के राजस्व विभाग की टीम ने संतोषी पारा में अतिक्रमण करने वालों पर शिकंजा कसने बेदखली की कार्रवाई किए।

संतोषीपारा में जिस स्थान पर सार्वजनिक शौचालय बनाया जाना है उस स्थल पर एक व्यक्ति द्वारा बाउंड्रीवाल बनाकर अतिक्रमण कर लिया था, जिसे तोड़फोड़ कर बेदखली की कार्यवाही की गई। निगम क्षेत्र में अतिक्रमण, अवैध निर्माण करने वालों पर शिकंजा कसने निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने अधिकारी/कर्मचारियों की टीम बनाई है जो ऐसे कार्य करने वालों की नजर रखते हुए उन पर कार्यवाही कर रहे है।

निगम क्षेत्र में अवैध कब्जा और अतिक्रमण करने की शिकायत मिलने पर मामले को गंभीरता से लेकर राजस्व विभाग द्वारा कार्यवाही की जाती है ताकि ऐसे अनाधिकृत कार्य करने वालो को रोका जा सके।

जोन 03 के सहायक राजस्व अधिकारी मलखान सिंह सोरी ने बताया कि जोन आयुक्त येशा लहरे के निर्देश पर अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि वार्ड 25 संतोषीपारा पारा में वार्ड के नागरिकों की मांग के अनुरूप सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया जाना है इसकी स्वीकृति व अन्य विभागीय प्रक्रिया हो चुकी है, लेकिन उक्त स्थान पर वार्ड के एक व्यक्ति द्वारा उस स्थल पर अतिक्रमण करते हुए बाउंड्रीवाल का निर्माण कर लिया था, अतिक्रमण को हटाने के निर्देश भी दिए गए थे बावजूद नहीं हटाने पर आज जोन 03 के राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उस व्यक्ति द्वारा बनाए गए बाउंड्रीवाल को तोड़फोड़ कर बेदखल किया गया। कार्यवाही के दौरान जोन 03 राजस्व विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

निदान 40 : श्रमिक बाहुल्य जोरातराई में लगा शिविर

सत्तर साल की महिला को तीन साल बाद फिर से मिलने लगेगा पेंशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र जोरातराई में 70 वर्षीय वृद्धा को तीन साल बाद फिर से पेंशन मिलना शुरू होगा। निदान 40 शिविर स्थल पहुंची वृद्धा की फरियाद सुनते ही अधिकारी ने तत्परता दिखाई और समस्या का निदान किया। शिविर का जायजा लेने महापौर शशि अशोक सिन्हा, सभापति केशव बंछोर समेत एमआईसी सदस्य व क्षेत्रीय पार्षद उपस्थित थे।

एक नजर आवेदनों पर

	प्राप्त	निराकरण
राशनकार्ड	61	39
पेंशन	13	09
नए नल कनेक्शन	09	-
सफाई व्यवस्था	01	01
प्रधानमंत्री आवास	05	05
नामंतरण	02	02
निर्माण कार्य	10	10
आधार पंजीयन	55	41

नगर पालिक निगम रिसाली के आयुक्त आशीष देवांगन शासन की योजनाओं को घर-घर पहुंचाने और बुनियादी सुविधाओं के अभावग्रस्त लोगों को लाभ पहुंचाने वार्ड वार शिविर का आयोजन कर रहे है। निगम मुख्यालय के अंतिम छोर पर बसे जोरातराई निवासी पीरोबती मांझी के आवेदन पर अधिकारियों ने त्वरित कार्यवाही की। उसे तीन वर्ष से पेंशन नहीं मिल रहा था। जनसमस्या का निदान करने लगाए शिविर में वैसे तो 190 लोगों ने अलग-अलग समस्या को लेकर आवेदन सौंपा। इन्ही आवेदनों में से 105 का मौके पर निराकरण किया गया। शिविर में महापौर परिषद के सद्स्य विलास राव बोरकर, अनूप डे, चन्द्रभान ठाकुर, परमेश्वर, सनीर साहू, ईश्वरी साहू, पार्षद डॉ. सीमा साहू व हरिशचन्द्र, कार्यपालन अभियंता सुशील बाबर समेत निगम के अधिकारी-कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित थे। शिविर का मुख्य उद्देश्य राशन कार्ड सुधार, आधार कार्ड व पेंशन प्रकरणों का अधिक से अधिक निराकरण करना है।

निगम के अधिकारी कर्मचारी मौके पर ही खाद्य विभाग के अधिकारियों की मदद से राशन कार्ड में नाम विलोपन, नाम जोड़ना, त्रुटिपूर्ण नामों को सही करने का कार्य कर रहे है। मंगलवार को शिविर में 39 राशन कार्डधारियों की समस्याओं का निराकरण किया गया। नगर पालिक निगम शिविर में राजस्व वसूली भी कर रहे है। वर्ष 2016-17 से बकाया राशि की वसूली की गई। शिविर स्थल में 14 हजार 500 रूपए संपत्तिकर वसूला गया। निदान-40 के तहत जनसमस्या निवारण शिविर बुधवार को डुंडेरा में लगाया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950